◆ वर्ष - 35 ◆ अंक 63 ◆ www.skhnewstv.com ◆ 21 सितम्बर 2024 फिरोजाबाद ◆ पृष्ठ : 8 ◆ मूल्य : 1

दैनिक सच क्या है की प्रस्तुति

R.N.I.NO. 56725/89

सच क्या है

(उत्तर भारत का प्रमुख हिन्दी दैनिक)

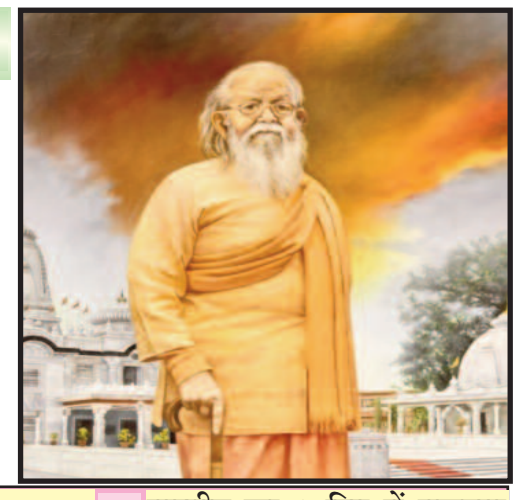

अंदर के पेज 3 लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी के बयान का विरोध 4 बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने जालौन पहुंचे योगी के मंत्री 5 महायोगी गोरखनाथ विवि में पौधरोपण और जागरूकता रैली से हुआ स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ 6 शिक्षा ज्ञान, संस्कार व मूल्य आधारित हो : आनंदीबेन पटेल 7 मारपीट का 2 दिन में मुकदमा दर्ज न होने से गुस्साए चिकित्सक व कर्मचारी हड़ताल पर गए

रक्षा मंत्री ने ओपन वाटर तैराकी अभियान का ध्वज हासिल किया

- अभियान के दौरान तैराकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा- तीनों सेनाओं के 11 कर्मियों ने सभी 21 द्वीपों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के नाम पर रखे गए अंडमान एवं निकोबार के 21 द्वीपों के लिए अपनी तरह के पहले खुले जल में तैराकी अभियान का ध्वज शुक्रवार को नई दिल्ली में हासिल किया। इस अभियान के दौरान 21 वीरता पुरस्कार विजेताओं के बलिदान को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। राजनाथ सिंह ने अभियान के दौरान अनेक चुनौतियों पर विजय पाने तथा परमवीरों की वीरता और बलिदान की कहानियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए टीम की सराहना की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसी साल नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर अंडमान और निकोबार के 21 सबसे बड़े अनाम द्वीपों का नाम परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के नाम पर रखा था। तीनों सेनाओं के अंडमान और निकोबार कमांड ने ह्यअभियान परमवीरह्ल शुरू किया, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय तटरक्षक बल के कर्मियों की एक टीम ने सभी 21 द्वीपों की यात्रा करके प्रत्येक द्वीप पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

11 सदस्यीय अभियान दल का नेतृत्व ओपन वॉटर तैराक और तेनजिंग नॉर्वे नेशनल एडवेंचर अवार्डी विंग कमांडर परमवीर सिंह ने किया।

विश्व जल दिवस पर 22 मार्च को श्री विजयपुरम से नेताजी सुभाष चंद्र द्वीप तक के अभियान को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई गई थी। सेना और तटरक्षक बल के 11 कर्मियों ने पांच महीनों तक 300 किलोमीटर से अधिक की ह्यबिना सहायता के खुले जल में तैराकीह्ल की और प्रत्येक द्वीप पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अभियान का समापन 15 अगस्त को 78वें स्वतंत्रता दिवस पर हुआ। नेताजी सुभाष चंद्र द्वीप से श्री विजयपुरम तक

अंतिम तैराकी सशस्त्र बलों और तटरक्षक बल के 78 कर्मियों ने की। सभी तैराकों ने ह्यबिना सहायता वाले खुले पानी में तैराकीह्ल की श्रेणी के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों और विनियमों के अनुसार अभियान चलाया, जिसके अनुसार तैराकों को केवल स्विम ट्रंक, गॉगल्स और कैप ही पहनने चाहिए।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने टीम के साहस और क्षमता की सराहना की, जिसने समुद्र में कई चुनौतियों को पार करते हुए परम वीरों की वीरता और बलिदान की कहानियों को लोगों तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि यह अभियान सरकार के प्रयासों के अनुरूप है, ताकि राष्ट्र की सेवा में खुद को बलिदान करने वाले हमारे सैनिकों के वीरतापूर्ण कार्यों के बारे में लोगों, खासकर युवाओं को पता चल सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि सशस्त्र बलों के जवान देश को गौरवान्वित करके युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे।

अभियान के दौरान तैराकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें गंभीर थकावट और अशांत समुद्री परिस्थितियां शामिल थीं। क्षेत्र में कई बार घातक समुद्री जीवों से सामना हुआ। पूरा अभियान बिना किसी दुर्घटना के पूरा होना शानदार उपलब्धि रहा, क्योंकि भाग लेने वाले अधिकांश सैन्य कर्मचारी पहली बार खुले समुद्र में तैराकी कर रहे थे। इस कार्यक्रम के दौरान अभियान दल ने रक्षा मंत्री को अभियान ध्वज सौंपा। ध्वज-समारोह के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, अंडमान और निकोबार कमांड के कमांडर-इन-चीफ एयर मार्शल साजू बालाकृष्णन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी आज महाराष्ट्र के वर्धा और अमरावती में

नई दिल्ली, 20 सितंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज महाराष्ट्र के वर्धा और अमरावती पहुंच रहे हैं। वो सुबह करीब 11:30 बजे राष्ट्रीय 'पीएम विश्वकर्मा' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम तहत प्रगति के एक वर्ष पूरे होने का उत सव मनाया जाएगा। यह जानकारी भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में साझा की गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आज के इस कार्यक्रम को एक्स हैंडल पर साझा किया है।

पीआईबी की विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम के दौरान पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र सौंपेंगे। इस योजना के तहत कारीगरों को दिए जाने वाले ठोस समर्थन के प्रतीक के रूप में वे 18 ट्रेड के तहत 18 लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्मा के तहत ऋण भी वितरित करेंगे। साथ ही पीएम विश्वकर्मा के तहत प्रगति के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक डाक टिकट जारी करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी अमरावती में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन ऐंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क की आधारशिला रखेंगे। 1000 एक-ड़ में फैले इस पार्क का विकास महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) राज्य कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में करा रहा है। मोदी सरकार ने वस्त्र उद्योग के लिए सात पीएम मित्र पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी थी। पीएम मित्र पार्क देश को वस्त्र विनिर्माण और निर्यात के लिए वैश्विक केंद्र बनाने के विजन को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह विश्वस्तरीय औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में मदद करेगा। यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सहित बड़े पैमाने पर निवेश को आकर्षित करने में सक्षम होगा।

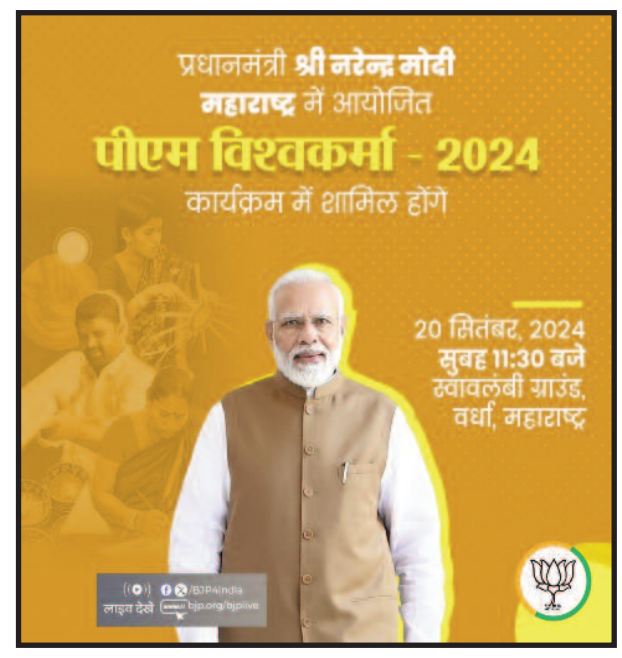

पत्र सूचना कार्यालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महाराष्ट्र सरकार की "आचार्य चाणक्य कौशल विकास केंद्र" योजना का शुभारंभ करेंगे। 15 से 45 वर्ष की उम्र के युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राज्य भर के प्रसिद्ध कॉलेजों में कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। राज्य भर में लगभग 1,50,000 युवाओं को हर साल कौशल विकास प्रशिक्षण मुफ्त मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी इस मौके पर "पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर महिला स्टार्टअप योजना" का भी शुभारंभ करेंगे। इस योजना के तहत महाराष्ट्र में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को शुरूआती चरण में सहायता दी जाएगी। योजना के तहत 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत कुल प्रावधानों का 25 प्रतिशत पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा। इससे महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बनने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने गिनाई 100 दिन की उपलब्धियां, आयुष्मान भारत योजना को बताया विश्व का सबसे बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

नई दिल्ली, 20 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा केन्द्र सरकार के पहले 100 दिनों में हासिल की गई स्वास्थ्य मंत्रालय की उपलब्धियां गिनाईं।

शुक्रवार को राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेसवार्ता में जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में देश के सभी 70 वर्ष के ऊपर के लोगों को शामिल कर लिया गया है। वह भी अब सालाना 5 लाख रुपये तक का इलाज करवा सकेंगे। इस योजना को अगले महीने लॉन्च किया जाएगा। इस योजना में 11.7 प्रतिशत का विस्तार हुआ है। इस योजना के तहत 12.37 करोड़ परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना में अब 6 करोड़ लोग और जुड़ जाएंगे।

जेपी नड्डा ने बताया कि सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं और जन्म से 17 वर्ष तक के बच्चों के संपूर्ण टीकाकरण रिकॉर्ड के लिए टीकाकरण सेवाओं के पूर्ण डिजिटलीकरण के लिए यू-विन पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल में पंजीकृत होने के बाद बच्चे के टीकाकरण के सभी रिकॉर्ड इसमें शामिल होंगे। इस पोर्टल को भी अक्टूबर में लॉन्च किया जाएगा।

ड्रोन सेवाओं के बारे में जे पी नड्डा ने बताया कि सरकार ने नमूनों के समय पर संग्रह और चिकित्सा आपूर्ति और रिपोर्ट की डिलीवरी के लिए विशेष रूप से कठिन इलाकों में इस सेवा को परिधीय संस्थानों से जोड़ने के उद्देश्य से एम्स, आईएनआई और उत्तर पूर्वी संस्थानों में ड्रोन सेवाएं शुरू की हैं। यह सेवा 25 किलोमीटर के दायरे में उपयोग में लाई जा सकेगी। मौजूदा समय में भुवनेश्वर, रायपुर और जमशेदपुर जेसे कई एम्स ड्रोन सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों संख्या में 98 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2013-14 में मेडिकल कॉलेज की संख्या 387 से बढ़कर 2024-25 में 766 हो गई है । इसी तरह एमबीबीएस सीटों में 125 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 2013-14 में 51,348 सीटें हुआ करती थीं, जो बढ़कर 2024-25 में 11,5812 सीटें हो गईं। पीजी सीटों की संख्या में भी 127 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 2013-14 से 39,460 से बढ़कर 2024-25 में 73,111 सीटें हो गई हैं। नड्डा ने बताया कि इसी तरह हमने भीष्म क्यूब्स को भी अपनाया है, जो पोर्टेबल चिकित्सा इकाइयां हैं। इन्हें आपदा प्रभावित क्षेत्रों और संघर्ष क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। आपदा एवं स्वास्थ्य आपात स्थिति के मामले में संबंधित क्षेत्र में तेजी से तैनाती के लिए भीष्म क्यूब्स को 25 एम्स और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में रखा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के परामर्श से अगले साल की शुरूआत में नई टीबी उपचार व्यवस्था की शुरूआत के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों के लॉजिस्टिक्स और प्रशिक्षण के लिए एक विस्तृत रोलआउट योजना तैयार कर रहा है। खाद्य आयात अस्वीकृति चेतावनी (एफआईआरए) पोर्टल खाद्य सुरक्षा मानकों को बनाए रखने पर केंद्रित है। यदि बंदरगाहों पर आने वाली कोई खेप इन मानकों को पूरा करने में विफल रहती है, तो विश्व स्तर पर एक अलर्ट जारी किया जाएगा, जो दशार्ता है कि खेप को अस्वीकार कर दिया गया है। इसके साथ स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को मुफ्त लाइसेंस, प्रमाणन और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया गया है।

एपीडा ने वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में भारत की विविध कृषि-खाद्य पेशकशों को किया प्रदर्शित

नई दिल्ली, 20 सितंबर (हि.स.)। राजधानी नई दिल ली के भारत मंडपम में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 मेगा इवेंट में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) पैवेलियन में भारत की विविध कृषि-खाद्य पेशकशों को प्रदर्शित किया गया है। यह भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने की एपीडा की एक पहल है।

वाणिज य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 इवेंट में एपीडा पैवेलियन का उद्घाटन वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, एपीडा के वरिष्ठ अधिकारियों, कई आयातकों और निर्यातकों तथा अन्य हितधारकों की उपस्थिति में किया। एपीडा 19 से 22 सितंबर, तक आयोजित होने वाले आयोजन में ताजा उपज, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, जैविक उत्पाद और मादक पेय सहित विविध खाद्य उत्पादों की पेशकश को प्रदर्शित करने के भारत के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।

मंत्रालय में मुताबिक एपीडा के अध यक्ष अभिषेक देव ने मध्य पूर्व के बाजारों और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में भारतीय बागवानी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लुलु ग्रुप इंटरनेशनल के अध्यक्ष यूसुफ अली एमए के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए और उसका आदान-प्रदान किया। इस साझेदारी का उद्देश्य दुनियाभर में फैले लुलु ग्रुप के हाइपरमार्केट और खुदरा दुकानों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय बागवानी उत्पादों को बढ़ावा देना है, जो वैश्विक स्तर पर भारतीय बागवानी निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में एपीडा की भागीदारी का उद्देश्य भारत के कृषि निर्यात को बढ़ावा देना, नए बाजार खोलना और वैश्विक स्तर पर विविध और उच्च गुणवत्ता वाले कृषि खाद्य उत्पादों के अग्रणी उत्पादक और निर्यातक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाना है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में इस तीन दिवसीय कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है।

जेपी नड्डा ने भगवंत मान को दी नसीहत, कहा- अस्पतालों का बकाया जल्द चुकाएं

नई दिल्ली, 20 सितंबर (हि.स.)। पंजाब में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना के तहत विभिन्न उपचारों के लिए कई अस्पतालों में 600 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। इसके कारण निजी अस्पतालों ने इस कार्यक्रम के तहत लोगों का इलाज करना बंद कर दिया है। इसका संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को नसीहत देते हुए अस्पतालों का बकाया जल्द से जल्द चुकाने का आग्रह किया है। उन्होंने नसीहत दी कि दिल्ली में पार्टी इकाई की जय-जयकार करने की बजाय मुख्यमंत्री राज्य की खराब होती स्थिति पर ध्यान दें।

शुक्रवार को सोशल मीडिया पर इस आशय का संदेश साझा करते हुए जेपी नड्डा ने भगवंत मान से आग्रह किया कि वे अस्पतालों का बकाया जल्द से जल्द चुकाएं, क्योंकि ऐसे कई परिवार हैं, खासकर हमारे मेहनती किसान, जो आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में पार्टी इकाई की जय-जयकार करने की बजाय सीएम भगवंत मान को पंजाब की स्थिति पर ध्यान केंद्रित करना उचित रहेगा।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों की कुल लंबित राशि 364 करोड़ रुपये है। बलबीर सिंह ने कहा कि लंबित भुगतानों के ब्योरे से पता चलता है कि सार्वजनिक अस्पतालों पर 166.67 करोड़ रुपये और निजी अस्पतालों के 197 करोड़ रुपये बकाया है। निजी अस्पतालों ने 600 करोड़ रुपये के बकाये का दावा किया है, जिसे मंत्री ने ह्यझूठा और भ्रामकह्ल करार दिया। इस विवाद के चलते कई निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत इलाज बंद कर दिया है।

एईएम-भारत बैठक में आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की हुई समीक्षाः गोयल

लाओस/नई दिल्ली, 20 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय वाणिज य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को लाओस के वियनतियाने में 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों (एईएम-भारत) की बैठक में भाग लिया। गोयल ने इस बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि बैठक में आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा हुई। वह लाओस के वियनतियाने के दो दिवसीय दौरे पर हैं। केंद्रीय वाणिज य मंत्री ने कहा कि (एईएम-भारत) की बैठक में आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा हुई और इसकी प्रगति पर ध्यान दिया गया, जिससे व्यापार और आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। इससे दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। उन होंने कहा कि इस बैठक में दोतरफा व्यापार के महत्व पर जोर दिया गया, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच मजबूत आपूर्ति श्रृंखला संबंधों और जीवीसी एकीकरण का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे पूरे क्षेत्र के व्यवसायों और लोगों को लाभ होगा। वाणिज य मंत्रालय कार्यालय ने दी जानकारी में बताया कि पीयूष गोयल ने 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों की बैठक से पहले भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। वाणिज य मंत्री ने फिक की के नेतृत्व में भारतीय उद्योगों से आग्रह किया कि वे आसियान व्यवसायों के साथ संबंधों को गहरा करें और आपसी विकास और समृद्धि के लिए इस क्षेत्र में भारत के निर्यात को बढ़ाने के अवसरों की तलाश करें। इससे पहले पीयूष गोयल ने 12वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के आर्थिक मंत्रियों की बैठक के दौरान स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की राज्य सचिव हेलेन बुडलिगर आर्टिडा के साथ मुलाकात की। गोयल ने कहा कि भारत- ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते की पूरी क्षमता को साकार करने में प्रगति पर चर्चा हुई। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण, मशीनरी और उपकरण, और नवाचार के साथ-साथ हमारे व्यवसायों के लिए निवेश के अवसरों में सहयोग की खोज की, जिसका उद्देश्य हमारे व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है।

सम्पादकीय

एक देश, अनेक चुनाव

हालांकि केंद्रीय कैबिनेट ने ह्यएक देश, एक चुनावह्ल की अनुशंसा को स्वीकृति दे दी है, लेकिन उसे लागू करने का रास्ता पेचीदा और पथरीला है। यह अनुशंसा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च अधिकार समिति ने की थी, जिसने अपनी विशालकाय रपट मार्च, 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। यदि देश में एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू हो जाए, तो यकीनन शासन, प्रशासन, सुविधा और आर्थिक खर्च के स्तर पर यह एक ठोस नीति साबित हो सकती है। कोविंद समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से चर्चा की, लेकिन 33 दल एक साथ चुनाव के पक्ष में हैं, जबकि 15 दल पूरी तरह विरोध में हैं। वे ह्यइंडियाह्ल गठबंधन के घटक ही हैं। जाहिर है कि संसद में बिल पर बहस के दौरान भी विभाजन की स्थिति बनी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इस आशय का बिल पेश किया जा सकता है। चूंकि एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करने के लिए 18 संविधान संशोधन करने पड़ेंगे, लिहाजा सरकार को दो-तिहाई बहुमत, यानी लोकसभा में ही 362 सांसद, की दरकार होगी। संसद के दोनों सदनों में सरकार को सामान्य बहुमत ही हासिल है। तो क्या देश में अनेक चुनावों की ही व्यवस्था जारी रहेगी? विपक्ष उसे ही संघीय ढांचा मानता है। हालांकि चुनाव आयोग ने पूरे देश में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का दावा किया है, लेकिन यह सवालिया है, क्योंकि चुनाव आयोग एक साथ हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में विधानसभा चुनाव कराने में असमर्थ रहा है। अब नवंबर में उसे दो चुनाव कराने पड़ेंगे और संभवतः जनवरी में दिल्ली के चुनाव कराने पड़ें। लिहाजा जून, 2029 तक ह्यएक साथ चुनावह्ल कराने के बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं? पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी का मानना है कि ह्यएक साथ चुनावह्ल कराना संभव है, लेकिन व्यावहारिक नहीं है। हमें तीन गुना ईवीएम और तीन गुना वीवीपैट की जरूरत होगी। उसी अनुपात में सुरक्षा बल और चुनाव कर्मी भी चाहिए। आम चुनाव, 2024 में करीब 70 लाख चुनाव कर्मचारी तैनात किए गए थे। हर 5 साल बाद 15 फीसदी अधिक चुनाव कर्मियों की जरूरत होगी। अभी तो ईवीएम के भंडारण तक की व्यवस्था नहीं है। सरकार को 8-10 हजार करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे। ये तमाम बंदोबस्त 2029 तक संभव नहीं हैं, क्योंकि ईवीएम का उत्पादन ही सीमित है।

बहरहाल संविधान के अनुच्छेदों-83, 85, 172 से 174 और 356-में संशोधनों के लिए राज्यों की सहमति अनिवार्य नहीं है। ये अनुच्छेद राष्ट्रपति, केंद्र सरकार और संसद से जुड़े हैं, लेकिन ध्यान रहे कि अब लोकसभा में 234 सांसदों वाला विपक्ष मौजूद है और वह ह्यएक साथ चुनावह्ल के पक्ष में नहीं है। सिर्फ दो-तिहाई बहुमत से ही ये संशोधन पारित किए जा सकते हैं। सरकार कैसे करेगी? यदि 2029 से ही ह्यएक साथ चुनावह्ल की व्यवस्था लागू करनी है, तो 22 राज्यों में समय से पहले और 5 राज्यों में कार्यकाल में देरी से चुनाव कराने पड़ेंगे। इसके अलावा, 6 विधानसभाओं-गुजरात, हिमाचल, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, कर्नाटक-के कार्यकाल एक साल एक महीना से लेकर एक साल 7 महीने के ही रह जाएंगे। ऐसा कौनसी निर्वाचित विधानसभा चाहेगी? ह्यएक देश, एक चुनावह्ल कोई नई व्यवस्था नहीं है। आजादी के बाद 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ होते रहे। तब तक देश में कांग्रेस की निरंकुश सत्ता थी। 1967 में विपक्ष के गठबंधन बनने लगे, लिहाजा कांग्रेस कई चुनावों में पराजित भी हुई, नतीजतन 1971 का चुनाव ऐसा था कि चुनाव अलग-अलग कराए गए। उसके बाद व्यवस्था ही बदल गई। आज ह्यएक साथ चुनावह्ल अजूबा लग रहे हैं। उस दौर में देश की आबादी भी कम थी, लिहाजा मतदाता भी कम थे। अब 95 करोड़ से अधिक मतदाता आम चुनाव में शिरकत करते हैं। अब लगता है मानो हर छह माह के बाद कहीं न कहीं चुनाव हो रहे हैं! सरकार इस अवांछित बोझ से छुटकारा पाना चाहती है। चुनाव कहीं भी हों, लेकिन पूरी व्यवस्था ठप पड़ जाती है। बहरहाल, इस मुद्दे पर नई बहस शुरू ही हुई है, देखते हैं कि किस बिंदु पर सहमति बन पाती है। एक देश, एक चुनाव की योजना के खिलाफ कई दल सामने आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस योजना को षड्यंत्र करार दिया है। उन्होंने इस योजना को संघीय ढांचे के खिलाफ बताया है। उनका मानना है कि जनहित से जुड़े मसलों से जनता का ध्यान हटाने के लिए भाजपा की एनडीए सरकार यह योजना लेकर आई है। ऐसे में इस योजना के लाभ और हानियों पर व्यापक विमर्श की जरूरत है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024: भव्यता की पृष्ठभूमि

-चिराग पासवान

भारत में खाद्य प्रसंस्करण की यात्रा, देश की सदियों पुरानी बुद्धिमत्ता और प्रगति को अपनाने की क्षमता को दशार्ती है। अचार बनाने और खाद्य पदार्थ सुखाने की प्राचीन परंपराओं से लेकर आज की परिष्कृत तकनीकों तक, भारत ने अपनी समृद्ध पाक-कला विरासत को आधुनिक प्रगति के साथ सहजता से मिश्रित किया है। यह यात्रा सिर्फ लोगों को खाना खिलाने के बारे में नहीं है, बल्कि भारत की पाक-कला को परिभाषित करने वाले विविध और जटिल स्वादों का उत्सव मनाने से भी गहराई से जुड़ी हुई है।

भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, परंपरा और आधुनिकता के संगम-बिंदु पर स्थित परिवर्तनकारी क्षमता का प्रतीक है। कटाई, छंटाई और श्रेणी-निर्धारण से लेकर पैकेजिंग, संरक्षण एवं मूल्य संवर्धन तक की गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करते हुए, खाद्य प्रसंस्करण कृषि और वैश्विक बाजार के बीच की खाई को पाटने में उत्प्रेरक का काम करता है। खाद्य प्रसंस्करण की प्रक्रिया में हमारे खेतों की कच्ची उपज को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त उत्पादों में बदला जाता है, जिससे भारत आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार ने इस क्षेत्र की क्षमता को पहचाना है, जिससे देश आर्थिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने समय-समय पर कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के बीच सहजीवी संबंध को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है तथा मूल्य संवर्धन और तकनीकी नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया है। उद्यमियों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने और वैश्विक बाजारों की खोज करने के उनके आह्वान की प्रतिध्वनि मंत्रालय द्वारा की गई पहलों में परिलक्षित होती है। किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि-खाद्य निर्यात को बढ़ावा देने का मिशन, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की सफलता से आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ है, जो भारत की कृषि संपदा को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के साथ जोड़ने का माध्यम है।

2047 तक विकसित भारत के आह्वान में, एक ऐसे भारत की परिकल्पना की गई है, जो समृद्धि, नवाचार और सतत विकास के प्रकाश-पुंज के रूप में उभरने के लिए अपनी चुनौतियों से पार पा चुका है। इस विजन के केंद्र में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र है, जो खाद्य सुरक्षा बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

चूंकि हम एक नए युग की दहलीज पर खड़े हैं, जो 2047 तक विकसित भारत के कालखंड में प्रवेश करेगा, इसलिए भारत के कृषि कौशल को वैश्विक महाशक्ति बनाने से संबंधित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन, आगामी वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में स्पष्ट रूप से व्यक्त होगा, जिसे मेरा मंत्रालय 19 से 22 सितंबर 2024 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित कर रहा है। यह प्रतिष्ठित आयोजन, नवाचार, उद्यमिता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक वास्तविक संगम है, जो एक पुनरुत्थानशील और समृद्ध भारत की दिशा में आगे बढ़ने के मार्ग को रोशन करने का कार्य करता है और अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरी तरह से साकार करता है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 की शानदार सफलता वैश्विक खाद्य परिदृश्य में भारत के बढ़ते महत्व का प्रमाण है। यह एक ऐसा आयोजन था, जिसमें वैश्विक विचारक, उद्योग जगत के दिग्गज और नीति निमार्ता एक मंच पर आये। यह आयोजन नवाचार का वास्तविक भंडार था, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, पैकेजिंग समाधान और सतत विकास से जुड़े तौर-तरीकों की नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के क्षेत्र में भारत की पूरी क्षमता का प्रदर्शन किया गया, जिसने निवेश आकर्षित किया और साझेदारी बनाई। इसने 2024 में और भी भव्य आयोजन के लिए मंच तैयार किया।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्टम के सभी घटकों को शामिल करने के लिए अपने दायरे का विस्तार करने के साथ, इस विरासत को आगे बढ़ाने का वादा करता है। बीज से लेकर दुकानों तक, उद्योग के हर पहलू को सावधानीपूर्वक तैयार और प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें प्रतिभागियों को अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, सहयोग बनाने और नए बाजारों को तलाशने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। यह आयोजन भारत के लिए गुणवत्ता, नवाचार और सतत विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण के वैश्विक केंद्र के रूप में इसकी स्थिति मजबूत होती है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में व्यवसायों, उद्यमियों और हितधारकों के लिए, वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में भागीदारी केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। यह आयोजन उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तियों से जुड़ने, नवीनतम तकनीकी प्रगति का पता लगाने और खाद्य उद्योग के भविष्य को आकार देने वाली उपभोक्ता की उभरती प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के अवसरों का एक अनूठा संगम प्रदान करता है। इसके अलावा, वर्ल्डफूड इंडिया 2024 नेटवर्किंग और साझेदारी-निर्माण का अवसर प्रदान करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संगम-स्थल के रूप में काम करेगा, जिससे कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम का विस्तृत प्रदर्शनी स्थल, विषयगत सत्र और आपसी-संवाद मंच प्रतिभागियों को जटिल वैश्विक खाद्य परिदृश्य को समझने के लिए आवश्यक उपकरण एवं ज्ञान प्रदान करता है, साथ ही प्रतिभागियों को अपने उत्पादों और सेवाओं को सम्मानित वैश्विक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान करता है।

स्टार्ट-अप्स के उत्साह और सरलता से प्रेरित होकर, मेरे मंत्रालय ने स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के बहुप्रतीक्षित दूसरे संस्करण का अनावरण किया है। यह शानदार पहल भारत के कृषि-खाद्य और संबद्ध क्षेत्रों में आमूल-चूल बदलाव को उत्प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कचरे के मूल्य निर्धारण, पौष्टिक और अमृतमय खाद्य उत्पादों के निर्माण एवं जल उपयोग दक्षता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लक्षित करके, यह चैलेंज नवाचार की क्रांति को शुरू करने का लक्ष्य रखता है, जिससे इस क्षेत्र को परिवर्तनकारी क्षमता से भरे भविष्य की ओर आगे बढ़ने में गति मिलेगी।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन, वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है। दूरदर्शी दिग्गजों का यह समागम एक सुरक्षित, सुदृढ़ खाद्य प्रणाली बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प के लिए एक अदम्य प्रमाण के रूप में कार्य करेगा, जहां प्रत्येक हिस्सा सतर्कता से अटूट समर्पण के साथ संरक्षित होगा।

इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से, हम खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों पर विजय पाने और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए अपनी साझी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जहां भोजन न केवल सुरक्षित हो, बल्कि सभी के लिए विश्वास और पोषण का आदर्श हो। यह वैश्विक सहयोग और प्रगति के सार को दशार्ता है, जो हमारे सबसे गहन मूल्यों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के भव्य ताने-बाने में, विशेष ध्यान के केंद्र-बिंदु परिवर्तनकारी बदलाव के वास्तविक प्रकाश-पुंज के रूप में खड़े हैं, जो देश के खाद्य क्षेत्र को एक शानदार भविष्य की ओर ले जा रहे हैं। खाद्य विकिरण; खाद्य-उत्पादों की सुरक्षा और शेल्फ लाइफ की दोहरी पवित्रता सुनिश्चित करता है और हमारे भोजन को दूषित होने से बचाता है।

पादप-आधारित प्रोटीन नवाचार के अगुआ हैं, जो गहन प्रभाव के साथ सतत पोषण प्रदान करते हैं। न्यूनतम अपशिष्ट, अधिकतम मूल्य का दर्शन, दक्षता का प्रतीक है, जो उत्पादन के प्रत्येक अंश को अमूल्य संसाधनों में बदल देता है। टिकाऊ पैकेजिंग, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती है और हमारे पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करती है। अंत में, खेत से लेकर खाने तक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा हर थाली तक शुद्ध, सुरक्षित पोषण पहुंचाना; हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र इस महत्वाकांक्षी प्रयास का समर्थन करने वाले प्रमुख स्तंभों में से एक है। इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेकर, व्यवसाय जगत भारत को खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश बनाने के सरकार के मिशन के साथ खुद को जोड़ सकता है एवं तेजी से बढ़ते बाजार और सहायक नीतिगत माहौल का लाभ उठा सकता है।

हम एक नए युग की दहलीज पर खड़े हैं, वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 बदलाव का अग्रदूत, वैश्विक मंच पर भारत के उत्थान का प्रतीक और इस क्षेत्र की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण बनकर उभर रहा है।

आइए हम सब मिलकर, उद्देश्य और दृष्टि में एकजुट होकर, वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 को शानदार तरीके से सफल बनाएं और एक नए भारत की सुबह की शुरूआत करें-एक ऐसा राष्ट्र, जो न केवल आत्मनिर्भर हो, बल्कि दुनिया के लिए समृद्धि, नवाचार और सतत विकास का प्रतीक भी हो।

(लेखक, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हैं।)

सहकारी क्षेत्र में नई जान फूँकेंगे पीएसीएस

शाजी के वी

दुनिया भर में ह्यअंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष- 2025ह्ल के स्वागत की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब भारत का सहकारिता क्षेत्र मजबूत स्थिति में है और देशभर में नई, मजबूत और तेजी से उभरती हुई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) का प्रसार हो रहा है। आर्थिक और प्रशासनिक सुधारों से लैस ये पीएसीएस अब ग्रामीण और कृषि प्रधान भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यसहकार से समृद्धिह्ल के सपने को साकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

यद्यपि भारत में सहकारिता का गौरवशाली इतिहास रहा है लेकिन कुप्रबंधन, संकट के समय पर्याप्त सरकारी समर्थन की कमी और आवश्यक सुधारों की अनुपस्थिति के कारण इसके विकास में रुकावट आई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में सहकारिता मंत्रालय का गठन करने और अमित शाह को इसकी कमान सौंपने के बाद सहकारिता क्षेत्र में बदलाव दिखने लगी। गुजरात में सहकारिता आंदोलन को नया आकार देने वाले सुधारों के लिए विख्यात सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद राष्ट्रीय सहकारिता परिदृश्य में बड़े पैमाने पर सुधार किए, जिससे दुनिया इस क्षेत्र की ओर उम्मीद से देखने लगी। सहकारिता की क्षमता को अब देश के भविष्य को आकार देने वाले क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। वित्त मंत्रालय के साथ हुए बजट परामर्श में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) ने प्रमुख क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए सहकारी समितियों के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाने की सिफारिश की।

अमित शाह सहकारिता क्षेत्र के विकास में बाधा डालने वाली वजहों से अच्छी तरह परिचित हैं। इन बाधाओं में पीएसीएस के विविधीकरण की कमी थी, जिसने उन्हें लगभग अव्यवहार्य बना दिया।। श्री शाह ने पीएसीएस के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण कार्य किया, वह उनके बायलॉज यानी उप-नियमों में बदलाव लाना था।

पीएसीएस की समस्याओं से छुटकारे के लिए मॉडल बायलॉज लाकर उन्हें बहुउद्देश्यीय बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे उन्हें अपने व्यवसाय को 25 से अधिक व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ कर विविधता लाने में मदद मिली है। अब वे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में काम कर रहे हैं, जो ग्रामीण भारत में 300 से अधिक ई-सेवाएं जैसे - बैंकिंग, बीमा, आधार नामांकन/अपडेशन, स्वास्थ्य सेवाएं, पैन कार्ड और आईआरसीटीसी/बस/हवाई टिकट आदि सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। अब तक 35,000 से अधिक पीएससीएस ने ग्रामीण नागरिकों को सीएससी सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है। साथ ही, अब उन्हें प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके), जल समितियों, एलपीजी वितरकों, खुदरा पेट्रोल/डीजल दुकानों, किसान उत्पादक संगठनों (एपीओ) आदि के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाया जा रहा है। पीएसीएस अब गांवों में सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं के वितरण के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (पीएमबीजेएके) के रूप में भी काम कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण आबादी के लिए सस्ती दवाएं उपलब्ध कराते हुए आय का एक और स्रोत पैदा हो रहा है। ये सभी प्रयास पीएसीएस की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए किए जा रहे हैं।

सहकारिता मंत्रालय का अगला महत्वपूर्ण कार्य इस क्षेत्र में लोगों का विश्वास जीतना था, जो दशकों से कुप्रबंधन से ग्रस्त था। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 63,000 पीएसीएस का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। अब तक 23 हजार से अधिक पीएसीएस को एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्टवेयर के साथ एकीकृत किया जा चुका है। पीएसीएस के कम्प्यूटरीकरण से उन्हें सीधे राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से जोड़ा जा सकेगा। कॉमन अकाउंटिंग सिस्टम (सीएएस) और मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) से संचालन में एकरूपता आएगी। इससे पीएसीएस संचालन में जनता का विश्वास बढ़ेगा।

सहकारिता क्षेत्र में हुई अनूठी पहलों से यह क्षेत्र अब नए आत्मविश्वास के साथ पूरे देश में संगठित रूप में काम कर रहा है, जो इसके लिए बहुत फायदेमंद है। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारी क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों से जिला सहकारी बैंकों में बैंक खाते खोलने का आह्वान किया है ताकि उन्हें व्यवहार्य बनाया जा सके। उनके अनुसार, सहकारी समितियों के बीच सहयोग एक मजबूत आर्थिक सिद्धांत है जो मजबूत सहकारी क्षेत्र के निर्माण के लिए जरूरी है।

साल 2024 में सहकारिता मंत्रालय का दूसरी बार कार्यभार संभालते हुए अमित शाह ने जमीनी स्तर पर नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करके इस क्षेत्र को मजबूत करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा था कि उनके पिछले कार्यकाल में नीतिगत ढांचा बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था और वर्तमान कार्यकाल में उनकी प्राथमिकता इन नीतियों को जमीनी स्तर तक ले जाने की होगी।

सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई सबसे महत्वपूर्ण पहल में से एक सहकारी क्षेत्र में ह्यविश्व का सबसे बड़ा विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण कार्यक्रमह्ल है। इस योजना का उद्देश्य पीएसीएस स्तर पर अनाज भंडारण के लिए विकेंद्रीकृत गोदाम, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयाँ और अन्य कृषि अवसंरचनाएँ बनाना है। कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ), कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई), कृषि यंत्रीकरण पर उप-मिशन (एसएमएएम), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) आदि सरकार की विभिन्न योजनाओं को मिलाकर इस योजना का उद्देश्य देश के लिए एक विशाल भंडारण क्षमता का निर्माण करना है।

इससे खाद्यान्न की बबार्दी और परिवहन लागत में कमी आएगी, किसानों को उनकी उपज के बेहतर दाम मिलेंगे और विभिन्न कृषि जरूरतों को पीएसीएस स्तर पर ही पूरा किया जा सकेगा।

चूंकि पीएसीएस ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं, इसलिए इनके सुदृढ़ीकरण और पुनरुद्धार से बहुत जल्द ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा मिलेगा। पीएसीएस से जुड़ी गतिविधियों के बढ़ने से जहां मौसमी बेरोजगारी खत्म होने की उम्मीद है, वहीं इससे करीब 1 लाख पीएसीएस से सीधे जुड़े 13 करोड़ किसानों को विशेषरूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय सृजन में फायदा होगा।

(लेखक, नाबार्ड के अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेष : किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या : स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श

मीन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

वाराणसी के सिगरा थाने में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दी गई तहरीर

-भाजपा नेताओं ने अमेरिका में सिख समाज और आरक्षण पर राहुल गांधी के बयान पर नाराजगी जताई, मुकदमा दर्ज करने की मांग

वाराणसी, 20 सितम्बर (हि.स.)। भाजपा के वाराणसी जिलाध्यक्ष, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुक्रवार को सिगरा थाने में कांग्रेस के शीर्ष नेता सांसद राहुल गांधी के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर में राहुल गांधी के अमेरिका में सिख समाज को लेकर दिए गए बयान पर नाराजगी जता उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई।

भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस नेता के बयान से सिख समुदाय के साथ हम लोग भी आहत हैं। राहुल गांधी कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। राहुल गांधी ने अमेरिका में एक इंटरव्यू में सिखों की धार्मिक आजादी को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि हमें बस पहले समझना होगा कि लड़ाई राजनीति को लेकर नहीं है। एक सिख व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि लड़ाई इस बात की है कि एक सिख होने के नाते क्या उन्हें भारत में अपनी पगड़ी पहनने की अनुमति मिलेगी? सिख होने के नाते इन्हें भारत में कड़ा पहनने की अनुमति मिलेगी? सिर्फ. इनके लिए ही नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए ये लड़ाई है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी के बयान से सिख समुदाय में आक्रोश है।

भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि राहुल गांधी कई बार इस तरह के बयान विदेशों में दे रहे है। विदेश में जाकर अपने देश की निंदा करना बहुत ही निंदनीय है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में जाकर आरक्षण और सिख समाज के खिलाफ जिन शब्दों का प्रयोग किया है वह संविधान से हटकर है।

ऐसे में उनके खिलाफ सिगरा थाने में मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। थाने में तहरीर सौंपने वालों में महानगर अध्यक्ष विदया सागर राय,महानगर उपाध्यक्ष अशोक कुमार,साधना वेदांती,बनारस बार एसोसियेशन के पदाधिकारी आदि भी शामिल रहे।

कराटे : सैंतीस पदक के साथ लखनऊ रहा चैंपियन, रायबरेली रहा दूसरे नम्बर पर

लखनऊ, 20 सितम्बर (हि.स.)। गुरुद्वारा नाका हिंडोला स्थित खालसा इंटर कॉलेज में आयोजित माध्यमिक विद्यालयी मंडलीय कराटे प्रतियोगिता में 37 स्वर्ण पदक जीतकर लखनऊ ओवरऑल चैम्पियन रहा, जबकि तीन स्वर्ण एवम सात रजत पदक जीतकर रायबरेली दूसरे नम्बर पर रहा। दो स्वर्ण पदक के साथ उन्नाव तीसरे स्थान पर रहा। मंडल स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में बालक एवम बालिका वर्ग में 14, 17 एवम 19 आयु वर्ग अंतर्गत अलग अलग भार वर्ग में लखनऊ,रायबरेली एवम उन्नाव के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया ।

सभी विजेता प्रतिभागियों को खालसा इंटर कालेज प्रबंधक कमेटी की अध्यक्षा श्रीमती सुखवीन कौर, कॉलेज के चेयरमैन स. चरनप्रीत सिंह बग्गा, जिला खेल समिति के सचिव वेदप्रकाश यादव एवम कॉलेज के प्रधानाचार्य स. वीरेन्द्र सिंह ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि एवम कॉलेज प्रबंधक. राजेंद्र सिंह बग्गा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी एवं पदक से वंचित रहे खिलाड़ियों को निराश न होकर जीत के लिए प्रयास को जारी रखने को कहा।इसके लिए श्री बग्गा जी ने राजा ब्रूस एवम स्पाइडर की कहानी से प्रेरणा लेने को कहा। कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश सचिव एवम खालसा इंटर कॉलेज के खेल एवम शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता. जसपाल सिंह के संयोजन में मंडलीय कराटे प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

कॉलेज के प्रधानाचार्य स. वीरेन्द्र सिंह ने मेडल प्राप्त करने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

*पदक विजेता खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं:

अंडर 14 बालक वर्ग

विशाल गुप्ता (लखनऊ) - 25 किलोग्राम स्वर्ण पदकसाहिल यादव (लखनऊ) - 30 किलोग्राम स्वर्ण पदक करण खत्री (लखनऊ)- 35 किलोग्राम स्वर्ण पदकअंश मौर्य (रायबरेली) - 40 किलोग्राम स्वर्ण पदकदिलजीत सिंह (लखनऊ) - 50 किलोग्राम स्वर्ण पदकरणवीर सिंह (लखनऊ) - 55 किलोग्राम स्वर्ण पदकअंश लोधी (लखनऊ) - 60 किलोग्राम स्वर्ण पदकदिव्यांश मौर्य (रायबरेली) +60 किलोग्राम स्वर्ण पदक

अंडर 17 बालक वर्गशुभ रावत (लखनऊ) -35 किलोग्राम स्वर्ण पदकपिंटू यादव (लखनऊ) -40 किलोग्राम स्वर्ण पदकयश सिंह (लखनऊ) - 45 किलोग्राम स्वर्ण पदकवेदांत सिंह (लखनऊ)-50 किलोग्राम स्वर्ण पदकराजीव कश्यप (लखनऊ) - 54 किलोग्राम स्वर्ण पदकअर्जुन रसली (लखनऊ) - 58 किलोग्राम स्वर्ण पदकशिव श्रीवास्तव लखनऊ - 62 किलोग्राम स्वर्ण पदक अंकुश (रायबरेली) - 66 किलोग्राम स्वर्ण पदक

अंडर-19 बालक वर्ग आयुष धीमान (लखनऊ)- 35 किलोग्राम स्वर्ण पदकमोहित आसेरी (लखनऊ) -45 ग्राम स्वर्ण पदकसूरज कुमार (लखनऊ) - 50 किलोग्राम स्वर्ण पदकबादल कुमार शर्मा (लखनऊ) -54 किलोग्राम स्वर्ण पदकनितेश गिरी (लखनऊ) - 58 किलोग्राम स्वर्ण पदकराज रावत (लखनऊ) - 62 किलोग्राम स्वर्ण पदक

अंडर-14 बालिका वर्ग वैशाली (लखनऊ) - 22 किलोग्राम स्वर्ण पदकदिव्यांशी (उन्नाव) - 24 किलोग्राम स्वर्ण पदक पल्लवी (उन्नाव) - 26 किलोग्राम स्वर्ण पदकसौम्या (लखनऊ) - 34 किलोग्राम स्वर्ण पदकमनीषा सागर (लखनऊ)- 42 किलोग्राम स्वर्ण पदक*मंडलीय कराटे प्रतियोगिता में 37 स्वर्ण पदकों के साथ लखनऊ रहा ओवर आल चैम्पियन

लखनऊ में युवक ने खुद को गोली मारकर की खुदकुशी

लखनऊ, 20 सितंबर(हि.स.)। गोमतीनगर विस्तार के गीतापुरी इलाके में एक युवक ने गुरुवार की रात को तमंचे से खुद को गोली मार ली। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार की सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

मूलरूप से लखीमपुर का रहने वाला राघवेन्द्र (28) अपने परिवार को लेकर लखनऊ के गीतापुरी इलाके में किराये के मकान में रहता था।

उसकी मां ने बताया कि बेटा यहां पर एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। नशे की लत ने उसे ऐसा बिगाड़ा कि सारे पैसे वह नशे में उड़ा देता था। नशा न मिलने पर वह बैचेन हो जाता था। गुरुवार की रात को वह मसाला लेने की बात कहकर कमरे से निकला और बरामदा में पहुंचकर उसने खुद को गोली मार ली।

परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। घटनास्थल का निरीक्षण किया।

थाना प्रभारी सुधीर अवस्थी का कहना है कि प्रारंभिक जांच में नशे के कारण युवक ने अवैध तमंचे से गोली मारकर खुदकुशी की है। उसके पास तमंचा कैसे आया, इसकी जांच की जा रही है।

लीज होल्ड भूमि कानून में बदलाव करे सरकार: नीरज सिंघल

लखनऊ, 20 सितंबर (हि.स.)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से लीज होल्ड भूमि कानून में बदलाव करने की मांग की है। आईआईए के अध्यक्ष नीरज सिंघल ने शनिवार को कहा कि आजादी

के अमृतकाल में गुलामी का प्रतीक 'लीज होल्ड भूमि कानून' को बदलने की आवश्यकता है। प्रदेश के औद्योगिक विकास में तेजी लाने एवं एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लिए लीज होल्ड औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड में सशर्त बदलाव करना चाहिए।

नीरज सिंघल ने आईआईए भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रमुख औद्योगिक संगठन आईआईए लंबे समय से उत्तर प्रदेश में लीज होल्ड औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड में बदलने की मांग कर रहा है। 30 नवंबर 2023 में लखनऊ में संपन्न उद्यमी महासम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष इस मुद्दे को प्राथमिकता से रखकर प्रत्यावेदन दिया गया था। तब से लगातार आईआईए औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड किये जाने की मांग कर रहा है। यूपीसीडा या उद्योग निदेशालय द्वारा दी गई लीज होल्ड भूमि पर छोटे-छोटे कार्यों के लिए उद्यमियों को इन विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

सिंघल ने कहा कि हरियाणा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में उद्यमियों को फ्री होल्ड भूमि उपलब्ध कराई जाती है तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं। लीज होल्ड औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड में बदलने से उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास तेजी से होगा।

इससे प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद और राजस्व में वृद्धि होगी जिससे सरकार का एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य भी शीघ्र पूरा होगा।

15वें वर्ल्ड फायर फाइटर्स गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को डीजीपी ने सम्मानित किया

लखनऊ, 20 सितम्बर (हि.स.)। डेनमार्क में आयोजित 15वें ह्यवर्ल्ड फायर फाइटर्स गेम्स-2024 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले फायर कर्मियों को पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार (डीजीपी) ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में सम्मानित किया है।

पदक प्राप्त करने वाले कर्मियों को डीजीपी का प्रशंसा चिन्ह प्रदान किए जाने की घोषणा की गई। इस प्रतियोगिता में उप्र अग्निशमन एवं आपात सेवायें के कर्मियों को 12 प्रदक प्राप्त हुए हैं। इनमें रायबरेली के लालगंज फायर स्टेशन में नियुक्त मुख्य आरक्षी चालक आनंद प्रताप सिंह ने शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो व सौ गुणे चार मीटर रिले रेस में गोल्ड मेटल हासिल किया है।

प्रयागराज के सिविल लाइन फायर स्टेशन में तैनात मुख्य आरक्षी चालक धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने चार सौ मीटर व सौ गुणे चार मीटर रिले रेस में गोल्ड और सौ और दो सौ मीटर रेस में सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। लखनऊ अग्निशमन मुख्यालय में तैनात आरक्षी फायरमैन जितेन्द्र कुमार यादव जैवलिन थ्रो में गोल्ड, ट्रिपल जम्प में सिल्वर, 67 किलोग्राम भार वर्ग कुश्ती में सिल्वर व डिस्कस थ्रो में ब्रॉज मेडल हासिल किया है।

विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रहने का दिया संदेश

लखनऊ, 20 सितम्बर (हि.स.)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से सेवा पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत राजभवन द्वारा आयोजित हो रहे अभियानों की श्रृंखला में शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सरोजनी नगर में वृक्षारोपण एवं सफाई का कार्यक्रम व रूम, किचन, कपड़ों तथा किताबों को व्यवस्थित करने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे ने उपस्थित छात्राओं को सम्बोधित करते हुए स्वयं, आस-पास एवं समाज में स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विद्यालय की

छात्राओं, कार्यरत शिक्षकों तथा राजभवन के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग कर ह्यएक पेड़ माँ के नामह्य अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया एवं समाज को प्रकृति के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, परिसहाय राज्यपाल पुनीत द्विवेदी, मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ व राजभवन के अधिकारीगणों द्वारा भी वृक्षारोपण कर पर्यावरण को हरा भरा बनाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा सहभागिता कर आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरुक करते हुए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता के प्रसार हेतु बच्चों द्वारा पैदल मार्च भी किया गया। कार्यक्रम में उद्यान अधीक्षक राजभवन भूषण प्रसाद सिंह, राजभवन के अधिकारीगण व विद्यालय की छात्राएं, अध्यापकगण आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी के बयान का विरोध

लखनऊ, 20 सितम्बर(हि.स.)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के सिख समुदाय को लेकर दिये गये बयान का लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश में व्यापक विरोध हो रहा है। प्रदेश के मुरादाबाद, आगरा, कानपुर, लखीमपुर, लखनऊ, वाराणसी में सिख समुदाय से आने वाले प्रबुद्ध एवं राजनीतिक वर्ग के लोगों ने विरोध दर्ज कराने के लिए प्रदर्शन, धरना व अपने बयान दिये हैं।

शुक्रवार को सुबह से ही हजरतगंज स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा के सामने सिख समुदाय के नामचीन लोग धरने पर बैठ गये। सिख समुदाय के लोगों ने अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिये गये बयान के लिए माफी मांगने की मांग की। हाथों में तख्तियां लेकर लोगों ने कहा कि सिख समुदाय के लोगों ने देश को बनाने में बहुत सारा योगदान दिया है। कांग्रेस को बड़ी पार्टी बनाने में भी सिख अपनी भूमिका निभाये है। सिख समुदाय का एहसान भूलकर राहुल गांधी उन्हें देश के बाहर अपमानित कर रहे हैं।

आगरा में लोहा बाजार, हाथी घाट में सिख समुदाय के व्यापारी लोगों ने अपना विरोध जाहिर करते हुए प्रदर्शन किया। व्यापारी लोगों ने कहा कि हम तो व्यापार करने वाले व्यापारी है, लेकिन हमारे धर्म पर टिप्पणी बर्दास्त नहीं की जायेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने बेवकूफी वाले बयानों के लिए जाने जाते है। सिख समुदाय पर बयान देकर उन्होंने अपने बेवकूफी का परिचय भी दे दिया है। राहुल गांधी को तत्काल माफी मांगनी चाहिए।

बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में वाशिंगटन के वर्जीनिया उपनगर में हर्नडॉन में भारतीय अमेरिकी समुदाय के लोगों को संबोधित करते किया था। राहुल गांधी ने उसी वक्त सिख समुदाय के एक व्यक्ति से पूछा था कि मेरे पगड़ीधारी भाई आपका क्या नाम है। लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने का अधिकार है या नहीं। या एक सिख के रूप में वह गुरुद्वारा जा सकते हैं या नहीं।

लड़ाई इसी बात के लिए है और यह सिर्फ उनके लिए ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है।

सुलतानपुर डकैती मामले में वांछित एक लाख का इनामी मुठभेड़ में गिरफ्तार

सुल्तानपुर, 20 सितम्बर (हि.स.)। कोतवाली नगर में सराफा व्यवसायी के यहां डकैती की घटना में वांछित एक लाख रुपये के इनामी बदमाश की शुक्रवार को पुलिस से मुठभेड़ हो गई। गोली से घायल होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से सफेद धातु के आभूषण लगभग 04 किलो और एक अवैध असलहा, मोटर साइकिल सहित अन्य चीजें मिली है।

पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने पत्रकारों को बताया कि सराफा व्यवसायी (भरत ज्वैलर्स) ठठेरी बाजार मेजरगंज चौकी घण्टाघर में अज्ञात बदमाशों ने 28 अगस्त को दिनदहाड़े डकैती की थी। इसमें वांछित इनामी बदमाशों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही थी।

स्वॉट और पुलिस को मिली लोकेशन पर मोटर साइकिल सवारों की घेराबंदी कर ली। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में पुलिस की गोली एक बदमाश घायल हुआ, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरा साथी अंधेरा का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा।

पकड़े गए बदमाश की पहचान जौनपुर के ग्राम लारपुर निवासी अजय उर्फ डीएम के रुप में हुई। आरोपित ने डकैती में शामिल होने की बात स्वीकारते हुए बताया कि पुलिस को मिला यह वही माल है, जिसको मैने अपने साथियो के साथ 28 अगस्त को सुलतानपुर में एक सराफा के यहां से लूटा था।

एसपी ने बताया कि दो सितंबर की देर रात पुलिस ने कोतवाली नगर के गोड़वा क्षेत्र में हॉफ एनकाउंटर में सचिन सिंह, त्रिभुवन व पुष्पेंद्र सिंह को पकड़ा। पुलिस ने दावा किया इनके पास से डकैती की पंद्रह किलो चांदी, लगभग अड़तीस हजार रुपये नगद और असलहे बरामद हुए। तीन सितंबर की सुबह व्यापारी भरतजी सोनी को बरामद माल की मिलान के लिए कोतवाली नगर बुलाया गया, जहां उसे माल पर अपनी मुहर की बात कही।

उसने मीडिया में बताया कि उसका कुल एक करोड़ पैंतीस लाख का माल डकैती में गया है। हॉफ एनकाउंटर के दो दिनों बाद पांच सितंबर को तड़के कोतवाली देहात के मिश्रपुर पुरैना में जौनपुर जिले के एक लाख के इनामी बदमाश मंगेश यादव को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया था।

रास्ते में से नाले की सिल्ट न हटाने से लोग परेशान

हाथरस। जीटी रोड से शिव कॉलोनी की ओर जाने वाले मार्ग पर नगर पालिका सिकंदराराऊ के कर्मचारियों द्वारा डाली गई नाले की सिल्ट लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। रास्ते पर सिल्ट पड़ी होने के कारण शिव कॉलोनी के वाशिंदों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका कर्मियों द्वारा रास्ते की पुलिया पर रख स्लैब भी हटा दिए गए हैं। जिसकी वजह से कॉलोनी के लोगों को दूसरे रास्ते से ईदगाह रोड से घूम कर आना जाना पड़ रहा है। शिव कॉलोनी के वाशिंदों ने मांग की है कि अति शीघ्र रास्ते में पड़ी सिल्ट को हटाया जाए और पुलिया के स्लैब पुनः जहां के तहां लगाई जाए जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

गोरखनाथ मंदिर में आई पुंगनूर गाय, सीएम योगी ने खूब दुलारा

गोरखपुर, 20 सितंबर (हि.स.)। गोसेवा के लिए देशभर में प्रसिद्ध गोरक्षपीठ में गोवंश का संसार अब और भी समृद्ध हो गया है। देश में अति दुर्लभ नस्ल में सम्मिलित आंध्र प्रदेश की पुंगनूर गाय को गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में लाया गया है। बरबस ही सबका ध्यान आकर्षित करने वाली पुंगनूर नस्ल के गोवंश जोड़ी (बछिया और बछड़ा) के मंदिर की गोशाला में आने पर शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा। उन्हें अपने हाथों से गुड़ खिलाया। गुरुवार को दोपहर बाद गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार सुबह की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। वह जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। पर, शुक्रवार का दिन गोसेवा के दृष्टिकोण से विशेष था। कारण, मंदिर की गोशाला में आंध्र प्रदेश के पुंगनूर नस्ल की देसी गोवंश की एक नन्हीं जोड़ी (बछिया-बछड़ा) का भी यहां आगमन हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुंगनूर नस्ल की इस जोड़ी को खूब दुलार किया। दोनों के माथे पर हाथ फेरते हुए, गर्दन सहलाते हुए उन्होंने यह कहकर स्नेह दिया, ह्यअरे रे रे, तुम्हें माई की याद आ रही है न !ह्न मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ देर तक उन्हें भावुक होकर दुलारते रहे और फिर अपने हाथों से उन्हें खुद खिलाया।इसके अतिरिक्त उन्होंने मंदिर की गोशाला में अन्य गोवंश के साथ भी समय व्यतीत किया। गोशाला में योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फेरा। उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

दुष्कर्म मामले में उप्र के पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की जमानत याचिका खारिज

लखनऊ, 20 सितम्बर(हि.स.)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति फैज आलम की बेंच ने यह फैसला सुनाया।

प्रजापति ने दुष्कर्म मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय से आजीवन कारावास की सजा सुनाये जाने के बाद इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके अलावा उन्होंने जमानत याचिका भी दाखिल की थी। हाई कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका पर 10 सितंबर को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

काशी में देशी गाय पालन और पंचगव्य चिकित्सा पर शनिवार से मंथन

भारतीय गाय, जैविक कृषि एवं पंचगव्य चिकित्सा विषयक संगोष्ठी में 200 शोध पत्र प्रस्तुत होंगे

वाराणसी,20 सितम्बर (हि.स.)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर स्थित शताब्दी कृषि विज्ञान प्रेक्षागृह में शनिवार से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के दिग्गज आयुर्वेद विशेषज्ञ

और शोध छात्र जुटेंगे। ह्लभारतीय गाय, जैविक कृषि एवं पंचगव्य चिकित्सा ह्ल विषयक इस संगोष्ठी का उद्घाटन देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पूर्वाह्न 9.30 बजे करेंगे। गोष्ठी में देसी नस्ल की गायों से संवर्धन,पंचगव्य चिकित्सा पर मंथन होगा। दो दिनों में 12 सत्रों में चलने वाले संगोष्ठी में 200 शोध पत्र भी प्रस्तुत होंगे। शुक्रवार को संगोष्ठी के आयोजन अध्यक्ष एवं बीएचयू आयुर्वेद संकाय, कायचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. के.एन. मूर्ति ,आयोजन सचिव प्रो. ओ.पी. सिंह,प्रो. सुनंदा पेढेकर,नागपुर देवलापार महाराष्ट्र के गो–विज्ञान अनुसंधान केन्द्र के समन्वयक सुनील मानसिंहका ने ये जानकारी संयुक्त रूप से पत्रकारों को दी।

समन्वयक सुनील मानसिंहका ने बताया कि संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, केरल, आसाम, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश आदि प्रदेशों से लगभग 300 प्रतिभागी हिस्सा लेकर शोध पत्र प्रस्तुत करेंगें। इसके अलावा नेपाल के भी विशेषज्ञ शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि गोष्ठी में वैद्य नंदिनी भोजराज, डॉ. संजय वाते, गोविंद वल्लभ पंत कृषि, भारतीय गो.र.सं.के अध्यक्ष प्रो. गुरु प्रसाद सिंह, प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर से डॉ. आर एस चौहान, गोपाल भाई सुतारिया (वंशी गिर गोशाला, अहमदाबाद) भी शामिल होंगे। इसके अलावा महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर उत्तर प्रदेश के कुलपति प्रोफेसर ए.के. सिंह, परीक्षा नियंता प्रोफेसर सी.के. राजपूत, प्रयागराज से राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के राष्ट्रीय गुरु प्रोफेसर जी. एस. तोमर, मुंबई से पंचकर्म विशेषज्ञ प्रोफेसर यू.एस. निगम, भोपाल से पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रोफेसर उमेश शुक्ला, राजकीय आयुर्वैदिक मेडिकल कॉलेज पपरौला के प्रधानाचार्य एवं डीन प्रोफेसर विजय चौधरी, दिल्ली से प्रोफेसर दिलीप वर्मा, पश्चिम बंगाल से प्रोफेसर सुकुमार घोष, -कृषि विशेषज्ञ सिवनी मध्य प्रदेश से डॉक्टर एन.के. सिंह, आई .आई. वी. आर. सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी से डॉक्टर ए.बी. सिंह, रिसर्च कॉम्प्लेक्स फॉर ईस्टर्न रिसर्च, रांची से डॉक्टर ए.के. सिंह के अलावा लगभग 200 एमडी एवं पीएचडी छात्र अपना शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे।

उन्होने बताया कि इस संगोष्ठी में देशी गाय, गोपालन एवं पंचगव्य चिकित्सा द्वारा जनमानस को होने वाली जीवन शैली जन्य व्याधियों का उपचार जैसे कैंसर, मधुमेह, अवसाद, रक्तचाप, एलर्जी आदि का उपचार के साथ-साथ जैविक खेती (आर्गेनिक फार्मिंग) पर चर्चा की जायेगी।

नर्सिंग होम, क्लीनिक, पैथलैब में छापा मारकर किया सील

मुरादाबाद, 20 सितम्बर (हि.स.)। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को जिले के कांठ, कुंदरकी व बिलारी में अवैध रूप से संचालित हो रहे नर्सिंग होम, क्लीनिक व पैथलैब में छापा मारकर सील कर दिया। सील किए गए सभी संस्थाओं का मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण नहीं था। वहीं कुछ स्थानों पर तमाम झोलाछाप स्वास्थ्य विभाग की टीम के आने की सूचना पर ताला लगाकर फरार हो गए।

ठाकुरद्वारा सीएचसी अधीक्षक और नोडल अधिकारी डॉ. राजपाल सिंह ने अपनी टीम के साथ कांठ में स्योहारा रोड पर स्थित केजीएन एसके नर्सिंग होम पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान नर्सिंग होम में सर्जरी के बाद भर्ती मिली दो महिलाओं को कांठ सीएचसी में शिफ्ट किया गया। सीएमओ कार्यालय में पंजीकरण न होने के कारण नर्सिंग होम सील कर दिया गया।

वहीं कुंदरकी के गांव मोहनपुर में संचालित एक पैथोलॉजी लैब पर छापा मारकर सील कर दिया गया है। डिप्टी सीएमओ डॉ. नरेंद्र चौधरी ने बताया कि गांव मोहनपुर में संचालित इंडियन पैथोलॉजी लैब के सम्बंध में आईजीआरएस पर शिकायत हुई थी। इसके बाद कार्रवाई करते हुए इस लैब को सील कर दिया गया है। इस लैब का कोई पंजीकरण नहीं था। डॉ. नरेंद्र ने बिलारी के प्राइमरी हेल्थ क्लीनिक को भी सील किया है। टीम को देखकर कई स्थानों पर क्लीनिक व लैब संचालक एवं झोलाछाप अपने संस्थान पर ताला लगाकर फरार हो गये। विभाग ने उस पर पर नोटिस लगा दिए।

लापता किशोरी का चौथे दिन फंदे से लटका मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

शाहजहांपुर, 20 सितंबर (हि.स.)। चार दिन से लापता किशोरी का शव शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में चाचा के घर के अंदर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी।

कांट थाना क्षेत्र के ग्राम इंन्देपुर निवासी रामरतन की पुत्री प्रेमवती (17) का शव शुक्रवार को पड़ोस में रहने वाले उसके चाचा रामदास के खाली पड़े घर के अंदर टिनशेड से फंदे के सहारे लटका मिला। किशोरी मंगलवार से लापता थी। किशोरी के पिता ने गांव के ही एक युवक पर बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को कांट थाने पर प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। पुलिस और किशोरी के परिवार वाले किशोरी को तलाश रहे थे।

प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार ने बताया कि किशोरी का शव बरामद हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेतृत्व समाज के हर वर्ग का कर रहा विकास : नरेंद्र कश्यप

-योगी सरकार उत्तर प्रदेश को बना रही उत्तम प्रदेश : राकेश सचान

प्रयागराज, 20 सितम्बर (हि.स.)। मोदी और योगी के नेतृत्व में पिछड़े समाज के 26 लाख छात्र-छात्राओं की शुल्क पूर्ति के लिए 2475 करोड़ रुपए स्वीकृत किए। इसमें 200 करोड़

की धनराशि शादी अनुदान के लिए, 35 करोड़ छात्र छात्राओं को ओ लेबल की शिक्षा देकर रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया। 103 करोड की धनराशि से छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

यह बातें शुक्रवार को आर डी सिंह महाविद्यालय सहसो में भारतीय जनता पार्टी गंगापार द्वारा आयोजित पिछड़ा मोर्चा सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कही। उन्होंने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए आगे कहा कि 55 प्रतिशत पिछड़े समाज के जीवन कल्याण के लिए भिन्न भिन्न शासन की योजनाएं संचालित की हैं।

41 लाख दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए सरकार भिन्न-भिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। योगी के नेतृत्व में 47 देशों के 25 लाख निवेशकों ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में सहयोग किया।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में सर्वाधिक एक्सप्रेस वे, प्रधानमंत्री सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली व्यवस्था, सड़क आदि योजनाओं से लाभान्वित करने का काम किया।

पिछले सरकार में 700 दंगे हुए। आज योगीजी के नेतृत्व में कोई भी दंगा नहीं हुआ। आज भय मुक्त वातावरण में लोग जी रहे हैं।

भाजपा का नेतृत्व समाज का हर वर्ग के विकास उत्थान के लिए दृढ़ संकल्प लिया है।

इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा गर्भवती महिलाओं को फल, नवजात शिशु को अन्न प्रकाशन, विकलांग बच्चों को ट्राई साइकिल उपलब्ध कराया।

फूलपुर विधानसभा उपचुनाव की दृष्टि से प्रभारी मंत्री राकेश सचान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में हर वर्ग का सम्मान है।

भयमुक्त, माफिया, अपराध से मुक्त वातावरण बनाने की ओर अग्रसर योगी सरकार उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में काम कर रही है।

संचालन जिलाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा विजय पटेल ने किया। सम्मेलन में सांसद प्रवीण पटेल, विधानपरिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व फूलपुर चेयरमैन अमरनाथ यादव, जिलाध्यक्ष कविता पटेल, जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा अश्वनी पटेल, मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी, पूर्व विधायक प्रभाशंकर पाण्डेय, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, विधानसभा प्रभारी सुरेश द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख विपेन्द्र पटेल, अरूणेन्द्र यादव, राकेश सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष अश्वनी कुमार द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने जालौन पहुंचे योगी के मंत्री

जालौन, 20 सितंबर (हि.स.)। जालौन में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे जिले के प्रभारी मंत्री संजय गंगवार ने शुक्रवार को कोंच

नगर के प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी स्थिति का जायजा लिया और कम्युनिटी किचन का निरीक्षण किया। यहां पर मलंगा नाले में आई बाढ़ से नगर के 4 मोहल्लों के लगभग 500 घर प्रभावित हुए हैं।

उप्र सरकार के गन्ना विकास राज्य मंत्री व प्रभारी मंत्री संजय गंगवार ने बताया कि सूबे के मुखिया के आदेश के बाद जिन जिलों में बाढ़ आई हुई है, वहां का दौरा कर निरीक्षण किया जा रहा है।

यहां जनपद में बाढ़ से 36 हजार हैक्टेयर की फसल खराब हुई है। इसका सर्वे पूरा हो चुका है। बाढ़ प्रभावित लोगों को अब तक 72 लाख रुपये की सहायता राशि दी गयी है।

इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को खाने के पैकेट भी वितरित किए। उन्होंने बाढ़ से होने वाली संक्रमित बीमारियों को लेकर भी स्वाथ्य विभाग की तैयारियों का जायजा लिया और लोगों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया।

हमें भौतिक और मानसिक दोनों तरीकों से स्वच्छ रहना चाहिए :प्रो आदेश कुमार

प्रयागराज, 20 सितम्बर (हि.स.)। मनुष्य चिन्तनशील और एक सामाजिक प्राणी है। इसी चिन्तन के कारण हम स्वच्छ रहना चाहते हैं। हमें भौतिक और मानसिक दोनों तरीकों से स्वच्छ रहना चाहिए। स्वच्छता मनुष्यता का आभूषण है। कूड़े को जलाने नहीं बल्कि उसके समुचित निस्तारण की कोशिश करनी चाहिए।

उक्त विचार राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर के मध्य चलाए जा रहे ह्लस्वच्छता ही सेवा अभियान 2024ह्व के अन्तर्गत विधि विभाग के अध्यक्ष प्रो.आदेश कुमार ने स्वयं सेविकाओं को स्वच्छता की शपथ दिलाने के उपरान्त व्यक्त किया।

इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. ज्ञानेंद्र जौहरी ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में आत्मनिर्भर होना चाहिए।

हमें अपना परिवेश, वातावरण साफ रखना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि स्वच्छता ही हमारा स्वभाव व संस्कार होना चाहिए। अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीनाक्षी ने किया। इस अवसर पर वृहद स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। स्वयंसेविकाओं ने गांधी भवन परिसर के आसपास की गंदगी को साफ कर एक जगह एकत्रित किया।

घर से लापता युवक का शव तालाब में मिला

औरैया, 20 सितंबर (हि.स.)। तीन दिन पूर्व 17 सितंबर को घर से निकले युवक का शव शुक्रवार को कंचौसी रेलवे क्रासिंग समीप स्थित तालाब में उतराता देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी।

रणधीर सिंह (45) निवासी सुंदरपुर थाना दिबियापुर पुत्र दुर्गा प्रसाद 17 सितंबर की रात करीब 11 बजे घर से बाहर निकला था। काफी देर तक वह घर नहीं लौटा तो परिवारीजनों ने उसकी इधर-उधर खोजबीन शुरू की। इसके बाद शुक्रवार को राहगीरों ने रेलवे क्रासिंग के समीप तालाब में उसका शव उतराता देखा तो अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने कहा कि वह शराब पीने का आदी था और दिमागी रूप से कमजोर भी था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिवारीजनों को सूचना दी। चौकी इंचार्ज कुलदीप तोमर ने बताया कि घर से लापता युवक का शव मिला है। परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है।

स्टाफ नर्स की वसूली से परेशान फार्मासिस्ट ने मांगा स्थानान्तरण

बहराइच, 20 सितम्बर (हि.स.)। मिही पुरवा के मोतीपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात फार्मासिस्ट ने मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र लिखकर स्थानान्तरण की मांग की है। आरोप है कि नाजायज वसूली से अब वह परेशान हो चुके हैं। इसलिए अब वह यहां नहीं रहना चाहते हैं।

मोतीपुर में तैनात फार्मासिस्ट आशुतोष कुमार ने शुक्रवार को मुख्य चिकित्साधिकारी को एक पत्र लिखा है।

इसमें उन्होंने बताया कि 12 सितम्बर को उनकी बड़ी बहन की बेटी सुष्मिता को प्रसव पीड़ा होने पर सीएचसी में भर्ती कराया गया था। यहां पर तैनात स्टाफ नर्स शिल्पा ने उनसे एक हजार रुपये की डिमांड कर दी।

इस पर उन्होंने बताया कि प्रसूता उनकी बहन की बेटी है। इसके बावजूद स्टाफ नर्स ने परेशान परिजनों से एक हजार रुपये जबरदस्ती लेकर प्रसव कराया।

स्टाफ नर्स के इस कृत्य से

मुझे बहुत ठेस पहुंची है, जिससे मेरा स्थानान्तरण कहीं अन्य जगह कर दिया जाय। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक मनु शर्मा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है। जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ में तीन स्थानों पर भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा से निपटने के लिए हुई मॉकड्रिक

मेरठ, 20 सितम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से शुक्रवार को मेरठ में तीन स्थानों

पर भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा से निपटने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। प्रदेश के 35 जिलों में एक साथ मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।

भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील उत्तर प्रदेश के 35 जिलों में शुक्रवार को एक साथ मॉकड्रिल का आयोजन हुआ। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी के निर्देशन में आज आपदा नोडल अधिकारी एडीएम वित्त एवं राजस्व सूर्यकान्त त्रिपाठी की देखरेख में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस एवं प्रशासन विभाग, आपदा मित्र, एनसीसी, सिविल डिफेन्स, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आदि विभागों के सहयोग से मेरठ में तीन स्थानों पर मॉकड्रिल हुई। भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा पर सेन्ट जोजफ इंटर कॉलेज, डाउन टाउन मॉल गंगानगर, हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड पूठखास में मॉकड्रिल हुई।

योगेंद्र डिमरी ने कहा कि समय-समय पर इस प्रकार की मॉकड्रिल कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक हो। मॉकड्रिल कराने का मुख्य उद्देश्य लोगों को इसके बारे में जागरूक करना है, जिससे वे आपदा के समय घबराए नहीं, बल्कि मॉकड्रिल में बताए गए तरीकों को अपनाकर अपना बचाव कर सकें। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अधिक से अधिक प्रशिक्षित किया जाए, जिससे वह और बेहतर तरीके से आगे होने वाली मॉकड्रिल में इसका उपयोग कर सकें। इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा, उप जिलाधिकारी सदर कंडारकर कमल किशोर देशभूषण, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार, एसपी ट्रैफिक राघवेन्द्र मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुराचार का प्रयास करने वाला मौलाना गिरफ्तार

बाराबंकी, 20 सितम्बर (हि.स.)। कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका से दुराचार का प्रयास करने वाले मौलाना को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ. अवधेश कुमार ने बताया कि यह पूरा मामला 18 सितम्बर का है। कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग लड़की अपने भाई की तबीयत खराब होने पर पानी फुंकवाने के लिए मोहल्ले में रहने वाले मौलाना हबीब अहमद के घर आयी थी। आरोप है कि हबीब अहमद ने अकेला पाकर लड़की से छेड़छाड़ व दुराचार की हरकत किया। इसका विरोध करने पर मौलाना ने लड़की को जान से मार देने की धमकी दी। लड़की ने अपने घर आकर अपने पिता को जब इस बात की जानकारी दी तो उन्होंने कोतवाली में पहुंचकर मौलाना के खिलाफ तहरीर दी। मुकदमा दर्ज कर पुलिस मौलाना की तलाश में थी। शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया।

दिल्ली मंडल में ट्रैफिक ब्लॉक के कारण उप्र में 32 ट्रेनें प्रभावित

मुरादाबाद, 20 सितम्बर (हि.स.)। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने शुक्रवार को बताया कि आम दिल्ली मंडल पर दिल्ली-अंबाला खंड पर ढोला माजरा स्टेशन पर लूप लाइनों के विस्तार के संबंध में बिजली और यातायात ब्लॉक होगा।

जिसके कारण 32 ट्रेनें अस्थायी रूप से रद्द, परिवर्तित, पुनर्निर्धारित, विनियमित रहेंगी। जिसमें तीन ट्रेनें कैंसिल रहेंगे दो ट्रेनों को डायवर्सन करके 15 ट्रेनों को रीशेड्यूलिंग और 12 ट्रेनों को रेगुलेशन करके चलाया जाएगा।

सीपीआरओ हिमांशु शेखर ने आगे बताया कि ट्रेन संख्या 04596 अंबाला कैंट कुरुक्षेत्र मेमू व 04595 कुरुक्षेत्र अंबाला कैंट में 21 और 22 सितंबर को कैंसिल रहेगी। 0140 अंबाला कैंट कुरुक्षेत्र मेमू 23 सितंबर को कैंसिल रहेगी।

ट्रेन संख्या 14717 बीकानेर हरिद्वार एक्सप्रेस 20 सितंबर को रोहतक, दिल्ली जंक्शन से गाजियाबाद होते हुए सहारनपुर जंक्शन से हरिद्वार होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 12460 अमृतसर न्यू दिल्ली एक्सप्रेस 21 और 22 सितंबर को लुधियाना दूरी जलजींद से पानीपत होते हुए चलेगी।

उन्होंने आगे बताया कि ट्रेन संख्या 12379, 12751, 12925, 20 सितंबर को रीशेड्यूल होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 22488, 22478, 12046, 15708, 12926, 12925 21 सितंबर को, 22488, 22478, 12046, 15708, 12926, 22430, 23 सितंबर को रीशेड्यूल होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 20977, 22430, 22125, 15707, 22685, 21 सितंबर को रेगुलेट की गई हैं। ट्रेन संख्या 20977, 22430, 12752, 12983, 19411, 22 सितंबर को, 12715 और 14507, 23 सितंबर को रेगुलेट की गई हैं।

समूचे राष्ट्र के सनातनियों की आस्था के ज्योति पुंज हैं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ

गोरखपुर, 20 सितम्बर (हि.स.)। सामाजिक समरसता को ही आजीवन ध्येय मानने वाले श्रीराम मंदिर आंदोलन के नायक ब्रह्मलीन

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ का अहर्निश स्मरण एक ऐसे संत के रूप में होता है, जिनमें समूचे राष्ट्र के सनातनियों की आस्था है। नाथपंथ की लोक कल्याण की परंपरा को धर्म के साथ राजनीति से भी संबद्ध कर महंत जी ने पांच बार मानीराम विधानसभा और चार बार गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भी किया। श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए हुए आंदोलन को निर्णायक पड़ाव देने के लिए इस राष्ट्रसंत को निश्चित ही युगों-युगों तक याद किया जाएगा।

यह बातें गोरक्षपीठ से जुड़े एवं शिक्षाविद प्रो. प्रदीप कुमार राव ने एक विशेष वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया कि उनकी पुण्य स्मृति में आश्विन कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि (21 सितंबर, शनिवार) को गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होगा। इसमें देशभर के प्रतिष्ठित साधु-संत और धमार्चार्य भी सहभागिता करेंगे।

उन्होंने बताया कि 18 मई 1919 को गढ़वाल (उत्तराखंड) के ग्राम कांडी में जन्में महंत अवेद्यनाथ का बचपन से ही धर्म, अध्यात्म के प्रति गहरा झुकाव था। उनके इस जुड़ाव को विस्तृत आयाम नाथपंथ के विश्वविख्यात गोरक्षपीठ में महंत दिग्विजयनाथ के सानिध्य में मिला। गोरक्षपीठ में उनकी विधिवत दीक्षा 8 फरवरी 1942 को हुई और वर्ष 1969 में महंत दिग्विजयनाथ की आश्विन तृतीया को चिर समाधि के बाद 29 सितंबर को वह गोरखनाथ मंदिर के महंत व पीठाधीश्वर बने। योग व दर्शन के मर्मज्ञ पीठाधीश्वर के रूप में उन्होंने अपने गुरुदेव के लोक कल्याणकारी व सामाजिक समरसता के आदर्शों का फलक और विस्तारित किया। यह सिलसिला 2014 में आश्विन कृष्ण चतुर्थी को उनके चिर समाधिस्थ होने तक अनवरत जारी रहा।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण को बना लिया जीवन का मिशन

अयोध्या में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। महंत दिग्विजयनाथ ने अपने जीवनकाल में मंदिर आंदोलन में क्रांतिकारी नवसंचार किया तो उनके बाद इसकी कमान संभाली महंत अवेद्यनाथ ने। नब्बे के दशक में उनके ही नेतृत्व में श्रीराम मंदिर आंदोलन को समग्र, व्यापक और निर्णायक मोड़ मिला। आंदोलन की ज्वाला गांव-गांव तक प्रज्वलित हुई। मंदिर आंदोलन में यह महंत जी का ही अविस्मरणीय योगदान था कि उन्होंने धमार्चार्यों के बीच अपने-अपने मत-श्रेष्ठतावाद का खंडन कर भारत के लगभग सभी शैव-वैष्णव आदि धमार्चार्यों को एक मंच पर खड़ा कर दिया। परिणामतः जब श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ-समिति का गठन हुआ तो 21 जुलाई, 1984 को अयोध्या के वाल्मीकि भवन में सर्वसम्मति से महंत अवेद्यनाथ जी को अध्यक्ष चुना गया। तब से आजीवन श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति के अध्यक्ष रहे और उनके नेतृत्व में भारत में ऐसे जनांदोलन का उदय हुआ जिसने भारत में सामाजिक-राजनीतिक क्रान्ति का सूत्रपात किया।

महंत अवेद्यनाथ जी ने श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति के आजीवन अध्यक्ष और श्रीराम जन्मभूमि निर्माण उच्चाधिकार समिति के अध्यक्ष के रूप में आंदोलन में संतो, राजनीतिज्ञों और आमजन को एकसूत्र में पिरोया। यह भी सुखद संयोग है कि पांच सदी के इंतजार के बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण का मार्ग उनके शिष्य, वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राज्य शासन में पूर्णता को प्राप्त हो रहा है। श्रीराम मंदिर का निर्माण महंत अवेद्यनाथ जी के जीवन का वह मिशन रहा जो उनके सुयोग्य उत्तराधिकारी की देखरेख में जारी है।

सामाजिक समरसता को समर्पित धमार्चार्य

महंत अवेद्यनाथ वास्तविक अर्थों में धमार्चार्य थे। धर्म के मूल मर्म सामाजिक समरसता को उन्होंने अपने जीवनपथ का उद्देश्य बनाया। आजीवन उन्होंने हिन्दू समाज से छुआछूत और ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त करने के लिए वृहद अभियान चलाया। अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बरहपंथ योगी महासभा के अध्यक्ष के रूप में महंतजी ने देशभर के संतों को भी अपने इसी अभियान से जोड़ा।

अपने स्पष्ट विचारों के चलते पूरे देश के संत समाज में अति सम्माननीय रहे महंत अवेद्यनाथ दक्षिण भारत के मीनाक्षीपुरम में दलित समाज के सामूहिक धर्मांतरण की घटना से बहुत दुखी हुए। इस तरह की पुनरावृत्ति उत्तर भारत में न हो, इसी कारण से धर्म के साथ उन्होंने राजनीति की भी राह चुनी। उनका ध्येय हिन्दू समाज की कुरीतियों को दूर कर पूरे समाज को एकजुट करना था। इसे लेकर उन्होंने दलित बस्तियों में सहभोज अभियान शुरू किया जहां जातिगत विभेद से परे सभी लोग एक पंगत में भोजन करते। काशी में डोमराजा के घर संतों और साधु समाज के साथ भोजन कर महंतजी ने सामाजिक समरसता का देशव्यापी संदेश दिया।

सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने दलित कामेश्वर चौपाल के हाथों राम मंदिर के भूमिपूजन की पहली शिला रखवाई। समाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए दलितों, वंचितों के घर सहभोज का आयोजन तो उनके जीवनकाल में स्वस्थ रहने तक जारी रहा। सामाजिक एकता के लिए वह सदैव स्पष्टवादी रहे। उन्होंने इस प्रश्न पर धमार्चार्यों, संत-महात्माओं, राजनीतिज्ञों, किसी को भी क्षमा नहीं किया, यदि वे हिंदू समाज की एकता के विरुद्ध अथवा अस्पृश्यता के पक्ष में खड़े हुए।

उद्धरणों से समझाते थे सामाजिक एकता की ताकत

नाथपंथ, गोरक्षपीठ के अध्येता और महंत अवेद्यनाथ के जीवन के शोधार्थी डॉ.प्रदीप कुमार राव बताते हैं कि महंत अवेद्यनाथ सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रभु श्रीराम और देवी दुर्गा के उद्धरणों से संदेश देते थे। ऐसे संदेश उनकी दिनचर्या में शामिल थे। महंतश्री लोगों को व्यावहारिक रूप में समझाते थे कि प्रभु श्रीराम ने शबरी के जूठे बेर खाए, निषादराज को गले लगाया, गिद्धराज जटायु का अंतिम संस्कार अपने हाथों किया, वनवास के दौरान वनवासियों से मित्रता की तो इसके पीछे उनकी सोच समरस समाज की स्थापना ही थी। वह बताते थे कि देवी दुर्गा की आठ भुजाएं समाज के चारों वर्णों से दो-दो भुजाओं की प्रतीक हैं। समाज के ये चारों वर्ण एकजुट हो जाएंगे तो वह भी देवी दुर्गा की भांति इतने सशक्त होंगे कि किसी भी शक्तिशाली पर नियंत्रण पा लेंगे। ठीक वैसे ही जैसे अष्टभुजी देवी दुर्गा सबसे तेज तर्रार और शक्तिशाली जीव शेर पर सवारी करती हैं।

गुरु के बीजारोपित शिक्षा परिषद को बनाया वटवृक्ष

शिक्षा के क्षेत्र में भी महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने अपने वरेण्य गुरुदेव महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के सपनों को साकार किया। उन्होंने अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूंजी से उत्तरोत्तर समृद्ध और समुन्नत करते हुए पूज्य गुरुदेव द्वारा बीजारोपित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को वटवृक्ष जैसा वृहत्तर स्वरूप प्रदान किया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अंतर्गत आज चार तीन दर्जन से अधिकन प्राथमिक से लेकर उच्च स्तर तक के शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान, चिकित्सा संस्थान तथा सेवा संस्थान संचालित हो रहे हैं। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के पारंपरिक शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ तकनीकी एवं स्वास्थ्य शिक्षा के संस्थानों में हजारों विद्यार्थी रोजगारपरक पुस्तकीय पाठ्यक्रमों के साथ-साथ भारतीयता तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ रहे हैं।

राजनीतिक क्षेत्र में भी बनाया रिकार्ड

महंत अवेद्यनाथ के नाम राजनीति के क्षेत्र में भी अनूठा रिकार्ड है। उन्होंने पांच बार (1962, 1967, 1969, 1974 व 1977) मानीराम विधानसभा सीट और चार बार (1970, 1989,1991 व 1996) गोरखपुर सदर संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व किया था।

वह अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के उपाध्यक्ष व महासचिव के रूप में भी प्रतिष्ठित रहे। महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने सदैव राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति की पुनर्प्रतिष्ठा, शैक्षिक पुनर्जागरण तथा हिंदू समाज की रक्षा में अपनी राजनीतिक भूमिका निर्धारित की।

नारी अब अबला नहीं रही, उसे किसी के सहारे की जरूरत नहीं

गोरखपुर, 20 सितंबर (हि.स.)। 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी अंशिका वर्मा को पुलिस लाइन व्हाइट हाउस सभागार में एसएसपी के नेतृत्व में राजपत्रित अधिकारियों ने विदाई दी।

आईपीएस अंशिका वर्मा ने 18 दिसंबर 2023 को गोरखपुर में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ.गौरव ग्रोवर ने कोतवाली सर्किल का क्षेत्राधिकारी बनाया था लेकिन एक महीने बाद ही मानुष पारिक को बरेली जनपद का एसपी दक्षिणी बना दिया गया। तत्पश्चात अंशिका वर्मा को क्षेत्राधिकारी कैंट सर्किल का सीओ 4 फरवरी 2024 को बना दिया गया था। मंगलवार को शासन द्वारा इनके कार्यों को देखते हुए पदोन्नति समयावधि से पहले करते हुए एसपी दक्षिणी बरेली बना दिया। बरेली जाने से पहले पुलिस लाइन व्हाइट हाउस सभागार में राजपत्रित अधिकारियों ने भव्य विदाई समारोह आयोजन किया।

एसएसपी ने कहा कि आईपीएस अंशिका वर्मा महिलाओं के लिए एक मिसाल है।नारी अब अबला नहीं रही, उसे किसी के सहारे की जरूरत नहीं। इन वाक्यों को असल जिंदगी में सच कर दिखाने वाली भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी अंशिका वर्मा साहस की मूर्ति बनकर बदमाशों के छक्के छुड़ाने वाली फर्जी स्टांप व मनी म्यूल जैसे बड़े मामले का पदार्फाश कर जालसाजों को जेल पहुंचाने के साथ ही वह अपनी बहादुरी और नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवा चुकी है। तीन बहनों में सबसे छोटी 2021 बैच की आइपीएस अधिकारी अंशिका वर्मा प्रयागराज की रहने वाली हैं। 2018 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी बनकर आगरा के फतेहपुर में अंडर ट्रेनिंग एसएचओ और 18 अक्टूबर 23 को गोरखपुर में सहायक पुलिस अधीक्षक कोतवाली सर्किल की सीओ, 4 फरवरी 2024 को कैंट सर्किल की सीओ का कार्यभार ग्रहण कर गोरखपुर में 10 महीने के अपने बेहतर कार्यकाल के बाद बरेली जनपद की एसपी दक्षिणी बनाई गई। जिसे गोरखपुरवासी सदैव याद करेंगे।

विदाई समारोह में प्रमुख रूप से पुलिस अधीक्षक नगर अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी जितेंद्र कुमार ,पुलिस अधीक्षक अपराध सुधीर जायसवाल, पुलिस अधीक्षक मंदिर सुरक्षा अनुराग सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक बसंत कुमार, क्षेत्राधिकारी कोतवाली ओंकार तिवारी, क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ योगेंद्र सिंह, क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज गौरव तिवारी, क्षेत्राधिकारी बांसगांव रवि प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी गोला रत्नेश्वर सिंह, क्षेत्राधिकारी खजनी ध्रवेश कुमार, क्षेत्राधिकारी गीडा प्रशाली गंगवार क्षेत्राधिकारी चौरी चौरा अनुराग सिंह, एलआईयू सीओ देवी दयाल, आरआई हरिशंकर सिंह, सीए बाबू बसंत कुमार सहित शहरी क्षेत्र के थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

सीतापुर में गन्ना पर्यवेक्षक से हुई मारपीट के विरोध में प्रर्दशन

बिजनौर, 20 सितम्बर (हि.स.)। जनपद सीतापुर मे गन्ना पर्यवेक्षक से मारपीट के विरोध में बिजनौर के गन्ना पर्यवेक्षकों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। शुक्रवार को जयेष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक दालेश्वर मिश्र के नेतृत्त्व मे बिजनौर गन्ना पर्यवेक्षकों ने साथी गन्ना पर्यवेक्षक के साथ मारपीट करने वाले दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई करने की मांग की। ताकि आगे से किसी कर्मचारी के साथ कोई ऐसी घटना न हो।

पर्यवेक्षकों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन करने वालों में रामेन्द्र यादव, आशुतोष उपाध्याय, पुरनलाल, दया स्वरूप , प्रदीप, सुषमा राही, नीटू कुमार, राम सहाय, कुलदीप, अनिल कुमार शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिसकर्मी ने लगाया विधायक और समर्थकों पर मारपीट और वर्दी फाड़ने का आरोप

भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग और पचास समर्थकों पर लगा वर्दी फाड़ने का मुकदमा

पुलिसकर्मी ने लगाया विधायक और समर्थकों पर मारपीट और वर्दी फाड़ने का आरोप

भदोही, 20 सितंबर (हि.स.)। भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग की मुश्किलें फिलहाल थमने का नाम नहीं ले रही है। विधायक और उनके समर्थकों पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बार विधायक और उनके समर्थकों पर अदालत में आत्मसमर्पण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से मारपीट, वर्दी फाड़ने और सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज हुआ है।

ज्ञानपुर कोतवाली में तैनात पुलिसकर्मी अवधेश सिंह यादव की तरफ से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में विधायक और उनके समर्थकों को आरोपित करते हुए कहा गया है कि हम और अन्य साथी अदालत के गेट नंबर तीन पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सपा विधायक अपने 40-50 समर्थकों के साथ अदालत परिसर में दाखिल हुए। हमने साथियों के साथ उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन विधायक के साथ मौजूद समर्थक धक्का-मुक्की और मारपीट पर उतर आए। इस दौरान हमारी वर्दी भी फाड़ दी गई। अवधेश सिंह यादव गाजीपुर गहमर के निवासी हैं। सम्बंधित प्राथमिकी में सपा विधायक बेग को नामजद किया गया है जबकि उनके 40/50 समर्थकों के खिलाफ अज्ञात का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

भदोही के समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग घरेलू नाबालिक सहायिका की आत्महत्या के मामले में गुरुवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में आत्मसमर्पण किया था। जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भी दिया गया था। विधायक पर इस मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। लिहाजा पुलिस उन्हें गिरफ्तार करना चाहती थी। लेकिन विधायक अपने अधिवक्ता के साथ न्यायालय परिसर में पहुंचे थे। इस दौरान सपा विधायक और गिरफ्तार करने के लिए प्रयासरत पुलिस कर्मियों के बीच खूब धक्का-मुक्की हुई थी।

पुलिस कर्मियों की अभद्रता पर पर वरिष्ठ अधिवक्ता तेज बहादुर यादव ने सवाल भी उठाया था। उन्होंने कहा था कि विधायक की चप्पल टूट गई और कपड़े फट गए। उनकी हार्ट सर्जरी भी हुई है इसके बाद भी पुलिस ने सारी हदें पार कर दी। उन्होंने पुलिस को आरोपित करते हुए कहा था कि आत्मसमर्पण लोगों का कानूनी अधिकार है। समर्पण की सूचना भी पुलिस को दे दी गई थी। लेकिन पुलिस ने विधायक के साथ अभद्रता किया।

समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग भी जेल जाने के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए पुलिस की तरफ से उनके साथ की गई अभद्रता पर सवाल उठाया था। लेकिन अब यही आरोप पुलिस ने पलट कर विधायक और उनके समर्थकों पर लगाया है। फिलहाल सत्ता और विपक्ष में चूहे-बिल्ली का खेल शुरू हो गया है।

महायोगी गोरखनाथ विवि में पौधरोपण और जागरूकता रैली से हुआ स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

गोरखपुर, 20 सितंबर (हि.स.)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट इकाई की बहल ने पौधरोपण कर स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ही रासेयो की पारिजात इकाई जागरूक किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार

तरफ से शुक्रवार से स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत हुई। मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, गोरखनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल और गुरु श्रीगोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश द्वारा ह्यस्वच्छता ही सेवा - मेगा इवेंट उत्तर प्रदेशह्न के तहत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में किया गया। यह रैली विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर बालापार मार्केट से होते हुए इंद्रासन इंटर कॉलेज तक निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति सिंह, विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. विकास, रासेयो के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

ईसन नदी में आए उफान से सिकंदराराऊ इलाका गांवों में घुसा पानी, पलायन को ग्रामीण मजबूर

–सिकंदराराऊ क्षेत्र एसडीएम ने ट्रैक्टर से गांवों का जायजा लेते हुए प्रभावित ग्रामीणों को मदद का दिया भरोसा

हाथरस, 20 सितम्बर (हि.स.)। जनपद में बारिश से आए ईसन नदी में उफान के चलते सिकंदराराऊ क्षेत्र के कई गांव जलमग्न हो गए हैं। गांवों में पानी भरने से ग्रामीणों का पलायन शुरू हो गया है। इस दिया।

सिकंदराराऊ क्षेत्र एसडीएम इलाके के सबसे ज्यादा प्रभावित नगला नरी और उसके आसपास के गांवों में ट्रैक्टर पर सवार होकर पहुंचे। उनके साथ पूर्व ब्लॉक प्रमुख हसायन सुमंत

बीच स्थिति का जायजा लेने सिकंदराराऊ के एसडीएम पहुंचे। उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों से मिलकर घर, फसल समेत अन्य नुकासन की जानकारी ली और हर संभव मदद का आश्वास तिवारी, एसडीओ समेत राजस्व कर्मियों की टीम भी मौजूद रही। एसडीएम ने एक-एक गांव पहुंचकर ग्रामीणों से बाढ़ और प्राकृतिक आपदा को लेकर जानकारी ली और उनका दुख दर्द बांटा। ग्रामीण महिलाओं ने नम आंखों से बाढ़ के प्रभाव और भारी बारिश से हुए नुकसान की दास्तां सुनाई। मवेशियों को भी काफी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि जलमग्न होने से फसलें नष्ट हो गई हैं। मकान व दीवारें गिरने से उनका सब कुछ बर्बाद हो गया है। कई लोग बेसहारा हो गए हैं। क्षेत्र के लोगों के सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया है। इसके अलावा एसडीएम ने गुर्जरपुर के गांव व इलाका का जायजा लिया और हर स्थिति को देखा।

एसडीएम सिकंदराराऊ ने लोगों से मुलाकात की और लोगों को सरकार की तरफ से मदद दिलाने का भरोसा दिलाया। इसके अलावा क्षेत्राधिकारी सिकंदराऊ ने ट्रैक्टर पर बैठकर व सड़कों पर भरे पानी में पैदल चलकर अन्य गांवों में भी घूम-घूम कर लोगों से अलग-अलग जाकर मुलाकात की। दर्जनों गांवों में ईसन नदी के हुए शिकार ग्रामीणों को खाद्य सामग्री की व्यवस्था प्रशासन की ओर से बिना देरी कराते अधिकारी जुट गए।

महंत दिग्विजयनाथ व महंत अवेद्यनाथ में शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई : प्रो. एके सिंह

गोरखपुर, 20 सितंबर (हि.स.)। युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज की 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर की जो ज्योति जलाई, उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है।

इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ विकास कुमार, डॉ अमित

से विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई।

प्रो. एके सिंह ने कहा कि हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं अवेद्यनाथ ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया।

श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए गोरक्षनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ.पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ.आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, धनंजय पांडेय, अनिल कुमार, प्रज्ञा पाण्डेय, श्रीमती रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षा ज्ञान, संस्कार व मूल्य आधारित हो : आनंदीबेन पटेल

अवध विश्वविद्यालय का 29 वां दीक्षांत समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न

अयोध्या, 20 सितंबर (हि.स.)।डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 29 वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने समारोह में छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता में ज्ञान परंपरा को अक्षुण्ण बनाये रखने में सदैव गुरुकुलों एवं विश्वविद्यालयों का रहा है। इसमें

समाज के निर्माण एवं संवर्धन में विश्वविद्यालयों ने सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है। संस्कृति, ज्ञान एवं परंपरा के संरक्षक एवं विभिन्न कालों में नवीन परम्पराओं के संवाहक एवं नवोन्मेष शोध केंद्र के रूप में ये समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य रहे हैं। कुलाधिपति ने कहा कि स्वर्णपदक पाने वाले छात्र-छात्राओं से कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिदिन छात्राएं आगे बढ़ रही हैं। इनमें छात्राओं की संख्या काफी है। समाज के सवार्गीण विकास एवं सशक्त बनाने में इनकी भूमिका बढ़ जाती है। समारोह में राज्यपाल ने कहा कि आपकी सफलता में आपके माता-पिता, गुरूओं की विशेष भूमिका होती है। आप सभी भारत के सबसे युवा एवं सबसे बड़ी पूंजी है। भारत युवा देश में से एक है। हमारी पचपन प्रतिशत से अधिक आबादी 30 वर्ष से कम उम्र की है। भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में पांचवें स्थान पर है। वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे। देश के प्रधानमंत्री ने 2047 तक एक राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसलिए हम सभी के पास स्वर्णिम अपार संभावनाएं है, बल्कि उसके अनुरूप परिस्थितियां भी है। वर्ष 2047 में जब देश आजादी का वर्षगाठ बनायेगा। भारत का समृद्ध गौरवशाली इतिहास सदैव गौरवान्वित करता रहता है।

समारोह में राज्यपाल ने कहा कि भारत एक समृद्ध विरासत वाला राष्ट्र है, और इसका ध्वजवाहक आपको ही बनना है। अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आगे कठिन परिश्रम करें। भारत सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल की सौ दिन की रिर्पोट में मुद्रा लोन की धनराशि बढाकर स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए संकल्पित है। इससे युवाओं को रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कुलाधिपति ने कहा कि प्रदेश के विकास में अपनी भूमिका निभाने के लिए कार्य करें। अयोध्या अपनी पुरातन संस्कृति के साथ सज-धज रही है। रेलवे स्टेशनों को पुनरुद्धार किया गया। वंदे भारत ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यहां पर पर्यटन होटल धर्मनगरी के रूप में अयोध्या विकसित हो रही है। दुनिया के विश्वविद्यालय अब भारत में अपने केन्द्र खोल रहे हैं। भारत विश्व की अर्थव्यवस्था के पांचवें से तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो शिक्षित होने के साथ आत्मनिर्भर भी बनाये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति संचालित पाठ्यक्रमों का संचालन अवध विश्वविद्यालय कर रहा है।

समारोह में राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने विश्वविद्यालय को पीएम उषा के तहत 100 करोड़ अनुदान दिया है जिससे शिक्षा के संसाधनों को विकसित किया जा सके। शिक्षा में सभी को समान अवसर मिले, इसके लिए आस-पास के पिछडे. जिलों को भी विकसित करना है। मेरा मत है केजी से पीजी तक आपस में एक दूसरे से जुड़े रहे। उसके लिए हॉयर एजुकेशन का सेतु बनाना होगा। वही बच्चे आगे बढ़कर एक दूसरे को सहयोग करेंगे। कुलाधिपति ने कहा कि प्रदेश की 34 विश्वविद्यालयों में पांच-पांच गांव गोद लिया हैं उन गांवों को उनके अधिकार दिला रहे हैं। देश को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं को कृत संकल्पित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। हमारा पर्यावरण जल, नदियां घरवार, संस्कार स्वच्छ होना चाहिए। स्वच्छता हमारा स्वभाव बनना चाहिए। कुलाधिपति ने कहा कि समाज में व्याप्त नशा विनाश की जड़ है। लोगों में नशा राष्ट्रवाद का होना चाहिए, विकसित राष्ट्र बनाने का होना चाहिए, नशा शरीर के साथ समृद्धि को नष्ट कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों का नशे से दूर रहना होगा। सभी युवा संकल्प करें की वे नशा नही करेंगे। नशा और दहेज प्रथा यह समाज की सबसे बड़ी बुराई है। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा का बजट 1.48 लाख करोड़ कर दिया गया है। उसके प्राप्त करने के लिए प्रपोजल बनाये और उसे प्राप्त करें तथा शिक्षा के स्तर को उच्चीकृत करें। उच्च क्वालिटी की शिक्षा अब योग्यता के आधार पर नही मिलेगी। प्रतिवर्ष एक लाख विद्यार्थियों को दस लाख रुपए ब्याज रहित लोन दे रही है। जिससे अपने युवा अपने लिए रोजगार के अवसर तैयार करे। अच्छी कम्पनियों में लाखों युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। मेडल के साथ अच्छे चरित्र का भी निर्माण करें।

समारोह में कुलाधिपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को सत्र ने 2021-22 से स्नातक स्तर पर तथा सत्र 2022-23 से परास्नातक स्तर पर विज्ञान, वाणिज्य तथा कला एवं मानविकी संकायों के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों हेतु विश्वविद्यालय द्वारा सफलता पूर्वक क्रियान्वित किया गया और जिसके त्रिवर्षीय स्नातक एवं परास्नातक के प्रथम बैच सत्र 2023-24 में सफलता पूर्वक पूर्ण हो चुके हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत संचालित समस्त पाठ्यक्रमों के परिणाम संतोषजनक रहे हैं। विश्वविद्यालय परिसर के शोधार्थियों तथा शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापरक शोध को प्रोत्साहित करने हेतु विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-2025 से ह्यह्यशोध एवं विकास नीतिह्यह्य को क्रियान्वित किया है। उक्त के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार, सीडग्रांट को उपलब्ध कराना, गुणवत्ता युक्त शोध पत्रों हेतु नगद पुरस्कार, शोध छात्रों के लिए फेलोशिप, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजन हेतु तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रतिभाग करने हेतु वित्तीय सहायता इत्यादि सुविधाएं प्रदान किए जाने संबंधी प्रावधानों का समावेश विश्वविद्यालय परिसर के शोधार्थियों तथा शिक्षकों के शैक्षणिक विकास के लिए सुनिश्चित किया गया है। इसके अतिरिक्त, पी-एच.डी. स्कॉलर के लिए पी-एच.डी. थीसिस को समुचित, समान तथा वैज्ञानिक ढंग से लिखने तथा उसको जमा करने हेतु एक मार्ग निर्देशिका तैयार कर सत्र 2024-2025 से भी लागू की गई है। समारोह में उन्होंने कहा कि सत्र 2024-2025 से विश्वविद्यालय ने आवासीय परिसर के शिक्षकों के लिए ह्यह्यपरामर्श नीतिह्यह्य को निर्मित करते हुए क्रियान्वित भी कर दिया है, जिसका उद्देश्य बाहरी संस्थाओं तथा संगठनों को उन समस्याओं के संबंध में पेशेवर सलाह तथा समाधान प्रदान करना है जिनको वह स्वयं समाधान करने में सक्षम नहीं होते हैं। इस परामर्श नीति के क्रियान्वित किए जाने से न केवल शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के पेशेवर ज्ञान तथा दक्षता में अभिवृद्धि होती है बल्कि विश्वविद्यालय शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से धन की प्राप्ति भी होती है।

शिक्षा ही प्रत्येक व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के लिए विकास का साधनः प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा

विवि के 29 वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि यूनेस्को संचालित महात्मा गांधी शांति व सतत विकासार्थ शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष प्रो0 भगवती प्रकाश शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही प्रत्येक व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के लिए अद्यतन ज्ञान, उन्नत प्रौद्योगिकी, उत्कृष्ट, नैतिकता, उच्च सामाजिक संवेदना एवं उच्च राष्ट्रनिष्ठा के संस्कारों के प्रस्फुटन व विकास का साधन है। देश व समाज का आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक व सांस्कृतिक विकास शिक्षा के अनुरूप व उसके समानुपात में ही होता है। देश के भावी विकास की दिशा व गति हमारे 15 लाख विद्यालयों के 27 करोड़ विद्यार्थियों एवं 1100 विश्वविद्यालयों सहित 45,000 महाविद्यालयों में अध्यनरत 4 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं की शिक्षा-दीक्षा पर ही निर्भर करेगी। समारोह में उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालय की विविध उपाधियों से विभूषित होने वाले ये छात्र-छात्राएँ देश के सभी ज्ञान आधारित आयामों को अपने अद्यतन ज्ञान व कौशल से स्पन्दित कर देश के समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे। हमारे उच्च शिक्षा से विभूषित युवा ही चतुर्थ औद्योगिक क्रान्ति के दौर में वैश्विक विकास को गति प्रदान करेंगे। हमारे सुशिक्षित छात्र-छात्राओं के सामाजिक सरोकार व मानवीय संवेदनायें ही देश व समाज में सामाजिक सौहार्द व समरसता के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत की सरिता को भी सतत प्रवाहमान रखेगी। हमारी 143 करोड़ जनसंख्या के साथ, हम विश्व की 17.6 प्रतिशत जनसंख्या का निर्माण करते हैं। आज सम्पूर्ण यूरोप के 50 देशों एवं 26 लेटिन अमेरिकी देशों को मिलाकर कुल 76 देशों की संयुक्त जनसंख्या से भी हमारी जनसंख्या अधिक है। हमारी कार्यशील आयु की जनसंख्या आज 90 करोड़ से अधिक है और 2030 तक यह संख्या 100 करोड़ हो जायेगी। यह विश्व की कुल कार्यशील जनसंख्या की 24.3 प्रतिशत होगी। यदि देश की कार्यशील आयु की सम्पूर्ण जनसंख्या को कार्य युक्त किया जा सके तो भारत 400 खरब डालर अर्थात 40 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी आज 25 ट्रिलियन डालर तुल्य है।

समारोह में प्रो. शर्मा ने कहा कि प्राचीन समय में भी रामायण काल में महाराज दशरथ के अर्थशास्त्री एवं भगवान राम के शिक्षक रहे उपाध्याय सुधन्वा ने अर्थशास्त्र को परिभाषित करते हुए समाज के सभी कार्यक्षम परिजनों को कार्य सुलभ करवाने, उस कार्य से उन्हें समुचित आय की प्राप्ति, उस आय में सतत विवर्धन और समाज में उसके सम्यक वितरण पर बल दिया है। भारतीय प्रतिभा की हमारे चतुर्दिक उत्कर्ष में सहभागिता उत्तरोत्तर बढ़े, इस दृष्टि से हमारे प्रधानमंत्री के भी मेक इन इण्डिया, मेड बाई इण्डिया, स्किलिंग कार्यक्रमों से जनित कौशल विकास और स्टार्ट-अप इण्डिया से स्टैण्ड-अप इण्डिया पर्यन्त स्वावलम्बन के आवाहनों के परिणामस्वरूप अब वह दिन दूर नहीं रह जायेगा, जब हम अपनी प्रतिभावान युवा शक्ति की बौद्धिक ऊर्जा के अभिनिवेश से देश के प्राचीन वैभवपूर्ण गौरव को लौटा लायेंगे। इन आवाह्नों की प्रेरणा से ही भारत आज तीसरा सर्वाधिक स्टार्ट-अप वाला देश बन गया है। उद्यमिता विकास व स्वरोजगार प्रोत्साहन सहित अद्यतन प्रौद्योगिकी के विकास के प्रयासों के साथ-साथ सभी छात्र-छात्राओं में सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशीलता व उनके आचार व व्यवहार में उच्चतर नैतिकता व राष्ट्रनिष्ठा को गहराई से बद्धमूल करने के हमारे उदात्त लक्ष्य, उच्च शिक्षा के सम्मुख हिमालय सी ऊँचाई लिये हुए हैं।

समारोह में उन्होंने बताया कि देश की उच्च शिक्षा-प्राप्त युवा पीढ़ी पर तो आज हमारी ही नहीं वरन् संपूर्ण विश्व अपनी आशाओं को केन्द्रित किए हुए है। हाल के जनसांख्यिकीय अनुमानों के अनुसार अमेरिका, जापान, यूरोप, चीन व दक्षिण पूर्व एशिया सहित विश्व के सभी प्रमुख औद्योगिक देशों में वृद्धों के बढ़ते अनुपात के कारण इन देशों में विविध ज्ञान आधारित उद्योगों में नियोजन हेतु युवा जनशक्ति का भारी अभाव हो जाएगा। वस्तुतः इन देशों में आगामी 7 वर्षो में होने वाली सेवानिवृत्तियों से सभी प्रमुख ज्ञान आधारित रोजगार-क्षेत्रों में नियोजन के लिए जो जनाभाव उत्पन्न होगा, उसकी पूर्ति भारत के उच्च व तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा करेंगे।

कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि आज भी विश्व के प्रमुख औद्योगिक देशों के ज्ञान आधारित क्षेत्रों में भारत की उच्च शिक्षा प्राप्त प्रतिभाएं बड़ी संख्या में उनकी आर्थिक संवृद्धि व सामाजिक सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान कर रही है। विश्व की अधिसंख्य बौद्धिक सम्पदा-आधारित शीर्ष कम्पनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सहित अधिकांश सामाजिक सेवाओं में आज भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद सहित बड़ी संख्या में शीर्ष पदों पर भारतीय ही महती भूमिकायें सम्पादित कर रहे हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोब, कॉग्निजेण्ट, ग्लोबल फाउण्ड्रीज, हर्मन इण्टरनेशनल, नेट-एप, पेप्सीको, मास्टर कार्ड, बर्कशायर हाथवे इन्श्योरेन्स, सॉफ्टबैंक आदि विश्व की अधिकांश व सर्वाधिक प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भारतीय रहे हैं, जिनके वार्षिक वेतन 200 करोड़ रुपए से भी अधिक हैं। यह हमारी उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा की श्रेष्ठता का ही परिणाम है कि देश औषधि उत्पादन, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, अन्तरिक्ष अनुसंधान आदि अनेक क्षेत्रों में विश्व में उत्कृष्ट प्रतिष्ठा अर्जित किये हुए हैं। सर्वाधिक उचित मूल्य पर औषधि उत्पादन के क्षेत्र में भारत, विश्व में क्रमांक 1 पर होने से, विश्व के 40 प्रतिशत रक्त कैंसर व 42 प्रतिशत एड्स रोगियों के लिए सुलभ कीमत पर औषधियों का एकमेव आपूर्तिकर्ता देश होने से ह्यह्यविश्व की फामेर्सीह्यह्य कहलाता है। इसी प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं की आउटसोर्सिंग में ।। प्रतिशत योगदान के साथ विश्व में क्रमांक एक पर है। देश में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात हाल के वर्षो में तेजी से बढ़कर 28.3 प्रतिशत तक पहुंच गया है। विश्वविद्यालयों में शोध, शोध प्रकाशनों व पेटेन्ट सहित विविध बौद्धिक सम्पदाधिकार के आवेदन व पंजीयन के लिए प्रेरक व उचित पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना आज की एक अहम चुनौती है। उच्च विश्वसनीयता-युक्त शोध एवं उस शोध पर आधारित उत्तरोत्तर शोधों में बार-बार उद्धृत किए जाने योग्य प्रकाशनों में तेजी से वृद्धि भी आवश्यक है। देश आज इस दिशा में अग्रसर है। अन्तरिक्ष विज्ञान में नैनो प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमता (आर्टिफिशियल इण्टेलिजेन्स) से जैव प्रौद्योगिकी तक सभी क्षेत्रों में शिक्षा व शोध के क्षेत्र में भारत विश्व के अग्र पंक्ति के देशों में से एक है। परिणामतः आज विश्व के वैश्विक क्षमता विकास केन्द्रों (ग्लोबल केपेबिलिटी सेण्टर्स) में से 40 प्रतिशत भारत में केन्द्रित हैं। देश के विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षा संस्थानों में इन दिनों अनुसंधान, प्रकाशन व पेटेण्ट आवेदनों में आ रही तेजी हमें द्रुतगति से विश्व के अग्रणी देशों में स्थापित करने जा रही है।

समारोह में प्रो0 भगवती प्रकाश ने बताया कि इस सम्पूर्ण प्रगति का लाभ देश के प्रत्येक व्यक्ति को पहुँचे, हमें देश के प्रत्येक उच्च शिक्षा प्राप्त एवं विश्वविद्यालयों की उपाधियों से विभूषित व्यक्ति में नैतिकता व सामाजिक संवेदना का स्तर भी इतना ऊँचा करना होगा कि आजीवन उसकी दृष्टि, आचार-विचार व समस्त कार्यकलाप देश, समाज व मानवता के सतत उत्कर्ष व सबके योगक्षेम के लिये संकल्पित रहे। हमें विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को सतत अद्यतन बनाये रखने के साथ ही ऐसी शिक्षण पद्धतियों का भी समावेश करना होगा कि छात्रों में ज्ञान की उत्कृष्टता के साथ नैतिकता व उपरोक्त सामाजिक संवेदनाओं का यथेष्ट विकास हो।

समारोह में प्रो0 शर्मा ने बताया कि हमें अपनी शिक्षा व शिक्षण विधियाँ जिन्हें आज पेडागॉजी, एण्ड्रागॉजी व ह्यूटागॉजी ट्रांसफार्मेशल पेडागाजी जैसी विविध शिक्षण उपागमों का भी इस प्रकार समावेश करना होगा कि हमारे दीक्षित छात्रों में ऐसे सभी विविध गुणों का सहवर्ती विकास हो और वे देश, समाज व मानवता के प्रति आजन्म संकल्पित रहें। आज विश्व में फैलती आर्थिक विषमता व तज्जनित अभावों, पर्यावरण के अविरल क्षरण और असहिष्णुताजन्य आतंकवाद जिस प्रकार से विश्व मानवता के लिये नित नये गम्भीर संकट उत्पन्न कर रहे हैं। उन्हें देखते हुये भारतीय जीवन मूल्यों से अनुप्राणित व 60 वर्ष पूर्व जिस ह्यह्यएकात्म मानव दर्शनह्यह्य को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित किया वह आज अत्यन्त प्रासंगिक हो जाता है। व्यक्ति, परिवार, समाज, देश, विश्व, सम्पूर्ण जीव सृष्टि व प्रकृति के बीच अंगांगी भाव से अनवरत सामजंस्य व सहयोग के एकात्म मानव दर्शन के विचार के अनुसरण से यह सम्भव है। अतएव आज देश के विश्वविद्यालयों में सतत अर्थात धारणीय विकास के साथ सामाजिक सौहार्द के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु ऐसे हमारे पारम्परिक चिन्तन व मूल्यों पर भी अध्ययन व शोध आवश्यक है।

समारोह में प्रो0 शर्मा ने कहा कि विश्व में मूल्य परक व उत्कृष्ट शिक्षण की भारत की अनादिकालीन परम्परा व अति प्राचीन काल में अनेक सहस्त्राब्दियों पूर्व भारत द्वारा वेदों के प्रसार और वैदिक ज्ञान की प्राचीनता व गहनता को विश्व मानता है। ऋग्वेद की तीस प्राचीनतम पाण्डुलिपियों को ह्यह्यसंयुक्त राष्ट्र आर्थिक व सामाजिक आयोगह्यह्य (यूनेस्को) ने वेदों में सन्निहित ज्ञान व उनकी प्राचीनता के आधार पर ऋग्वेद को तो विश्व की प्राचीन विरासत में सूचीबद्ध किया है और उन्हें विश्व की प्राचीनतम सर्वाधिक दीर्घ व अक्षुण्ण पाण्डुलिपि माना है। आज पुनः वह समय आ गया है, जब हम देश व विश्व मानवता के हितार्थ ज्ञान के सृजन में अपने युग-युगीन पारम्परिक दायित्व का निर्वाह और अधिक गम्भीरता पूर्वक करें।

विकसित भारत बनाने के लिए प्रतिभाओं को तराशनाः उच्च शिक्षा मंत्री

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि जीवन के पीछे माता-पिता की भूमिका और गुरू का पाथेय है। विश्वविद्यालय शिक्षा की पावन भूमि है। इसी स्थल पर अस्मिता के प्रतीक श्रीराम जी ने जन्म लिया है। अटक से कटक तक कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक राष्ट्र है। प्रभु श्रीराम ने शैव और वैश्णव को एम सूत्र में पिरोया। राम ने राष्ट्र को एक सूत्र में बाधा है। उन्होंने कहा कि भारत के तीन प्रमुख चिंतक माने जाते है। महात्मा गांधी, लोहिया, और पं दीनदयाल। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि यह युवाओं का दायित्व है कि देश को राष्ट्र के संकल्पित है। स्वामी विवेकानंद के कथन को उद्त करते हुए कहा कि स्वामी के संस्कार युक्त शिक्षा होनी चाहिए। शिक्षा की उच्चीकृत एवं तकनीकी युक्त होनी चाहिए। विकसित भारत बनाने के लिए प्रतिभाओं को तराशना एवं तलाशना होगा।

दीक्षांत समारोह में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पर विद्यमान होकर प्रतिवर्ष लाखो का जीवन प्रतिमान कर रहा है। भारतीय ज्ञान परम्परा के विकसित करने के लिए कठिन साधना की आवश्यकता है। हमें अपनी प्राचीन शिक्षा का गौरव वापस पाने के लिए वैदिक शिक्षा का अपनाना होगा। किसी भी विश्वविद्यालय के छात्र उस संस्था के ब्राण्ड अम्बेस्डर होते है। सभी युवाओं से अपील है। कि राष्ट्र के निर्माण में सार्थक रूप से योगदान करें।

विद्यार्थी जीवन का उपयोग ज्ञान और मानवीय मूल्यों की सिद्धि में करें: कुलपति

दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने अतिथियो का स्वागत व विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को सत्र 2021-22 से स्नातक स्तर पर, तथा सत्र 2022-23 से परास्नातक स्तर पर विज्ञान, वाणिज्य तथा कला एवं मानविकी संकायों के अंतर्गत सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है, इसके अंतर्गत प्रथम बैच के विद्यार्थी सत्र 2023-24 में उत्तीर्ण हो चुके हैं। विश्वविद्यालय परिसर में उ.प्र. कौशल विकास मिशन के कौशल विकासार्थ एक स्किल हब स्थापित किया गया है जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों को फूलों से इत्र, टूरिस्ट गाइड एवं कृषि से सम्बन्धित क्षेत्रों में कौशल विकास संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिससे विद्यार्थियों के लिये रोजगार प्राप्ति के अवसर बढ़ेंगे। कुलपति ने बताया कि सत्र 2023-24 में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 200218 उपाधियाँ प्रदान की जा रही हैं जिनमेः छात्र एवं 58: छात्रायें हैं। इन सफल विद्यार्थियों की उपाधियाँ आज आपके कर कमलों से, भारत सरकार के डिजिलॉकर में ई-प्रमाणपत्र के रूप में उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस दीक्षान्त समारोह में सर्वोच्च अंकों से उत्तीर्ण होने वाले 116 प्रदान किये जाने वाले स्वर्ण पदकों मे 65 स्वर्ण पदक छात्राओं को दिए जा रहे हैं जो की कुल संख्या का 64 प्रतिशत है। समारोह में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में अन्तर विभागीय, महाविद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयीय खेल प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त परिसर स्तर पर विभिन्न विषयों पर भाषण, निबंध, पोस्टर मेकिंग एवं पेन्टिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन समय≤ पर किया जाता है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के छात्र-छात्राएं देश के महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों, ख्यातिलब्ध शोध व शैक्षणिक संस्थानों, बैंकिंग सेवा, भारतीय सेना एवं निजी क्षेत्र के उद्यमों के साथ-साथ विदेशों में स्थित महत्वपूर्ण संस्थानों में भी अपनी सेवाएं दे रहे है।

समारोह में कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश के विभिन्न उत्कृष्ट संस्थानों के साथ 55 शोध, शैक्षिक, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट संबंधी एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं। इसके अतिरिक्त शैक्षिणिक विभागों द्वारा नवंबर 2023 के बाद एक अंतर्राष्ट्रीय तथा 86 राष्ट्रीय संगोष्ठीयाँ एवं कार्यशालायें तथा 69 सह शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की गयीं। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने सत्र 2023-24 में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में 2 स्वर्ण, 3 रजत और 19 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापरक शोध को प्रोत्साहित करने हेतु विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-2025 से ह्यह्यशोध एवं विकास नीतिह्यह्य को क्रियान्वित किया है। इसके अंतर्गत शोध पुरस्कार, सीडग्रांट, उत्कृष्ट शोध पत्रों हेतु नगद पुरस्कार, शोध छात्रों के लिए फेलोशिप, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठियों के आयोजन और प्रतिभाग हेतु वित्तीय सहायता सुविधाएं प्रदान किए जाने के प्रावधान हैं। इसके अतिरिक्त पी-एच.डी. स्कॉलर के लिए पी-एच.डी. थीसिस को समुचित, समान तथा वैज्ञानिक ढंग से लिखने तथा उसको जमा करने हेतु एक मार्ग निर्देशिका तैयार कर सत्र 2024-2025 से लागू की गई है। सत्र 2024-2025 से विश्वविद्यालय ने आवासीय परिसर के शिक्षकों के लिए ह्यपरामर्श नीतिह्य को निर्मित करते हुए क्रियान्वित किया है, जिसका उद्देश्य बाहरी संस्थाओं तथा संगठनों को उन समस्याओं के संबंध में पेशेवर सलाह तथा समाधान प्रदान करना है जिनको वह स्वयं समाधान करने में सक्षम नहीं होते हैं। इसके क्रियान्वन से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के ज्ञान तथा दक्षता में अभिवृद्धि होती है और आर्थिक प्राप्ति भी होती है।

समारोह में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय महिला अभियान के अंतर्गत अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर रहा है। महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा, पौष्टिक आहार एवं नियमित दिनचर्या सम्बन्धी सकारात्मक कदम उठा रहा है। महिलाओं तथा बेटियों के सशक्तिकरण के लिए माधवपुर मसौधा गाँव में 08 प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित कराये गये। गोद लिए गए इस गाँव में क्षय रोग से ग्रसित मरीजों के स्वास्थ्य लाभ की समीक्षा की गई। टोनिया-विहारीपुर ग्राम पंचाय के भवन में सामूहिक कैंप का आयोजन कर क्षय रोग के लक्षणों एवं इसके निदान के बारे में जानका प्रदान की गई। नियमित उपचार हेतु दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं।

कुलपति ने बताया कि अनुभूति एक प्रयास के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को वृद्ध आश्रमों जोड़ने का प्रयास किया गया है जिससे युवा वर्ग में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सेवा भाव जागृत हो सके। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी छात्रों के वृद्धआश्रम सम्बन्धी भ्रमण आधारित अध्ययन को पुस्तक रूप मे प्रकाशित किया गया है। छात्रों में पढ़ने की रुचि विकसित करने के लिए फ्री ओपन लाइब्रेरी की शुरूआत एक नया सफल प्रयोग है। इसके अतिरिक्त, मशरूम उगाने की ट्रेनिंग भी शुरू की गयी है। वहीं इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस सोत्साह मनाया गया। शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया तथा योग के लिए शपथ ग्रहण कर राजभवन द्वारा अर्जित गिनीज बुक विश्व रिकॉर्ड बनाने में अपना उल्लेखनीय योगदान प्रदान करके कुलाधिपति के कर कमलों से प्रशस्ति पत्र अर्जित किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय अयोध्या की पौराणिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत के संरक्षण की दिशा में अपना सार्थक योगदान प्रदान कर रहा है। वर्ष 2023 के दिव्य दीपोत्सव में विश्वविद्यालय के 25000 छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा पावन सरयू के 51 घाटों पर 22 लाख 23 हजार दीप प्रज्वलित कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान दर्ज किया है। अंत में कुलपति प्रो0 गोयल ने विद्यार्थियों से कहा कि अपने जीवन का उपयोग ज्ञान, संस्कार, संस्कृति और मानवीय मूल्यों की सिद्धि में करें।

29 वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव के प्राथमिक व पूर्व प्राथमिक विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई थी इनके विजेता प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए बच्चों को प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन द्वारा शिल्ड देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त इस समारोह में बहराइच जनपद की आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को राज्यपाल आनंदीबेन ने अपनी ओर बच्चों के लिए किट प्रदान किया।

वही विश्वविद्यालय की ओर 100 व बहराइच जिला प्रशासन की ओर से 100 किट कुलाधिपति के हाथों आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रदान किया। दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल द्वारा राज्यपाल एवं मुख्य अतिथि प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय व राज्यमंत्री उच्च शिक्षा श्रीमती रजनी तिवारी को स्वागत स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। इसके अलावा विश्वविद्यालय की स्मारिका, अनुभूति एक प्रयास द्वितीय संस्करण व इण्डियन नालेज सिस्टम पुस्तक का विमोचन कुलाधिपति द्वारा किया गया।

रेल पटरी के किनारे बसे गांवों में बनाये जायेंगे रेल मित्र

जालौन, 20 सितंबर (हि.स.)। रेलवे ट्रैक को सुरक्षित रखने के लिए रेलवे किनारे बसे गांवों में रेलवे मित्र बनाए जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों रेलवे ट्रैक पर वस्तुएं रखकर दुर्घटनाएं करायी जाने का मामला सामने आया है। इसे देखते हुए रेल ट्रैक के किनारे बसे गांव व मोहल्ले के लोगों की सूची रेलवे प्रशासन तैयार करा रहा है। रेलवे ट्रैक पर होने वाली घटनाओं की रोकथाम के लिए इसी में आगे रेलवे पुलिस की पहल पर रेल मित्र बनाये जायेंगे।

जीआरपी थानाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस महानिदेशक के आदेश पर ट्रैक की सुरक्षा बढ़ाने के इंतजाम किए जा रहे है। जिसमें परिचालन और इंजीनियरिंग विभाग के सुपरवाइजर व कर्मचारियों से तालमेल मिलाकर ट्रैक की सुरक्षा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। ट्रैक की पेट्रोलिंग करने वाले ट्रैकमैन, चाबीमैन, पॉइंट्समैन को लगातार ट्रैक पर नजर रखने को कहा गया है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या सामान मिलने पर तत्काल अवगत कराने के लिए कहा गया है।

अवधेश कुमार ने कहा कि ट्रैक किनारे बसे गांव में रेल मित्र भी बनाए जाने हैं। जिसमें क्षेत्रीय पंचायत सदस्य, पंचायत मित्र, सामाजिक कार्यकर्ता या फिर किसी एनजीओ के सदस्य भी हो सकते हैं। जो अपने गांव के नजदीक ट्रैक पर निगरानी रख सके। कोई संदेहजनक वस्तु ट्रैक के आसपास दिखे तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। इसके लिए ट्रैक के किनारे बसे गांव के प्रधानों से संपर्क शुरू कर दिया गया है। जल्द ही रेल मित्र बनाए जाएंगे।

प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा लगाया गया रक्तदान शिविर

फिरोजाबाद में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने भाजुयुमो जिला अध्यक्ष अंकित तिवारी के नेतृत्व में विश्व की सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें सैकड़ो युवाओं ने रक्तदान किया । सर्वप्रथम उदय प्रताप सिंह जिला उपाध्यक्ष व भाजुयुमो जिला अध्यक्ष अंकित तिवारी उत्तर मंडल अध्यक्ष लायक सिंह संखवार ने रक्त देकर शिविर का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिला अध्यक्ष राकेश संखवार जी विधायक मनीष असीजा महापौर कामिनी राठौर व प्रवासी के रूप में पधारी क्षेत्रीय मंत्री गुंजन पंडित ने सम्मिलित रूप से फीता काटकर इस शिविर का आयोजन किया। रक्तदान करने के लिए हेमंत मित्तल, राजकुमार छिब्बर, मयंक तिवारी, जय शर्मा, संजीव उपाध्याय, पवन कुमार,भूरी सिंह, गेंदालाल, नानू यादव, हिमांशु विस्ट, अभिषेक राठौर, सुनील कुमार, अभिनव गुप्ता,आदि दिवाकर, सौरभ, दीपक, मोन्टु, दुर्गेश, संजय, शिवम्, शिवम् दीक्षित,भूपेंद्र सिंह रायका, नरेंद्र, रोकी, आर्यन, ओमबीर, मोहित, नीलम कोर, तान्या गुप्ता, अमन शर्मा,यश गुप्ता, संजय राज,बॉबी कुमार ,ध्रुव गुप्ता, अप्पा सुमित ऐसे सैकड़ो युवाओं ने अपना रक्तदान किया ।

भाजुयुमो जिला अध्यक्ष अंकित तिवारी ने बताया कि युवा मोर्चा हर वर्ष देश के यशस्वी सबसे लोकप्रिय हम सब के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन करता है।

आए हुए सभी रक्तदाताओं का मैं अपने हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

इसमें उपस्थित :-केशव फौजी, अमित गुप्ता, केशव देव संखवार, अजब सिंह संखवार, अनुपम शर्मा, विकास दिवाकर, देश दीपक, संकेत गुप्ता, रोहित चौहान, अवनीश कुशवाहा, अंशुल, राजुल,आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में लगाया कैंप

शिकोहाबाद। धनपुरा सीएससी प्रभारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम नौशहरा गांव में सुबह दस बजे पहुंच गई। टीम ने विस्फोट में चोटिल हुए लोगों के साथ ही प्राथमिक विद्यालय में रह रहे मरीजों का भी परीक्षण किया। इस दौरान एक घायल किशोरी की पट्टी की जबकि शेष को गर्म पट्टी और जरूरत के हिसाब से उनका उपचार किया और दवा बांटी।

टीम का नेतृत्व डॉ.विक्रम बहादुर और डॉ. विजय कुमार ने किया। उनके साथ फार्मासिस्ट और एएनएम और अन्य कर्मचारी भी साथ रहे। टीम ने प्राथमिक विद्यालय में ही शिविर लगाया, जहां विस्फोट में प्रभावित हुए परिवार के सदस्य रह रहे हैं। टीम ने इस दौरान 35 लोगों का परीक्षण किया। जिसमें विस्फोट में घायल 14 वर्षीय किशोरी संजना 14 के पैर में चोट लगी थी, जिसकी पट्टी की। शेष लोगों का भी उपचार कर दवा वितरित की। स्वास्थ्य शिविर में गांव के अन्य लोगों ने भी खांसी,बुखार और जुकाम की दवा लीं।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पिता पुत्र सहित तीन घायल

फिरोजाबाद थाना मक्खनपुर क्षेत्र के साती रोड पर दो अलग-अलग स्थान पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में पिता पुत्र सहित तीन लोग घायल हो गए सभी को उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है

थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव मलखानपुर निवासी 40 वर्षीय सत्यवीर पुत्र मुन्नालाल अपने 16 वर्षीय पुत्र समीर के साथ शुक्रवार की दोपहर बाइक पर सवार होकर आगरा से वापस अपने घर लौट रहे थे तभी रास्ते में थाना मक्खनपुर क्षेत्र के साती पुल के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिसके फल स्वरुप पिता पुत्र घायल हो गए जिन्हें पुलिस उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आई है

वहीं इसी थाना क्षेत्र के साती रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया हरियाणा राज्य के झज्जर निवासी 45 वर्षीय साहिल पुत्र रोहित कुमार बाइक द्वारा अपनी ससुराल थाना सिरसागंज के कारी खेड़ा जा रहा था वह साती पुल के समीप पहुंचा ही था तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना मिलते ही सरकारी एंबुलेंस मौके पर पहुंची और उसे उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आई है जहां तीनों का उपचार जारी ह

केवाईसी के नाम पर खातों से उडाए रुपए, की शिकायत

जसराना। पल्सर बाइक पर सवार होकर राशन कार्ड, गैस सिलेंडर एवं किसान सम्मान निधि की केवाईसी करने पहुंचे युवक ने एक महिला सहित दो लोगों के खाते से रुपए उडा दिए। जानकारी होने पर पीडितों के पैरों तले जमीन खिसक गई। हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के साथ ही साईबर सेल में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

बुधवार को एक युवक पल्सर पर सवार होकर थाना जसराना के गांव भायपुर पहुंचा। युवक ने वहां मौजूद लोगों से राशन कार्ड, गैस सिलेंडर एवं किसान सम्मान निधि के बारे में जानकारी की। इस दौरान कहा कि जिन लोगों द्वारा केवाईसी नहीं कराई गई है उनकी केवाईसी की जा रही है।

गांव में मौजूद सत्यवीर सिंह एवं रामा देवी ने केवाईसी कराने के लिए डिवाइस पर अंगूठा लगा दिया। अंगूठा लगाते ही सत्यवीर सिंह के पुत्र के कप्तान सिंह के मोबाइल पर दस हजार रुपए कटने का मैसेज बैंक से आ गया। बैंक द्वारा पैसा काटने का मैसेज मिलने पर कप्तान ने अपने पिता से जानकारी की तो उन्होंने केवाईसी कराने की जानकारी दी।

अपने साथ फ्राड होने की भनक लगते ही कप्तान सिंह ने हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के साथ ही साइबर थाना में पूरा मामला बताया। महिला रामा देवी बृहस्पतिवार को बैंक पहुंची और उसने खाते में मौजूद धनराशि के बारे में जानकारी की।

महिला के खाते से पंद्रह सौ रुपए निकाल लिए। कप्तान सिंह ने बताया कि एक युवक केवाईसी करने के नाम पर पल्सर पर सवार होकर गांवों में घूम रहा है जो केवाईसी करने के नाम पर अंगूठा लगवाकर खाते से रुपए निकाल रहा है।

मारपीट का 2 दिन में मुकदमा दर्ज न होने से गुस्साए चिकित्सक व कर्मचारी हड़ताल पर गए

फिरोजाबाद। सौ सैया अस्पताल में कर्मचारियों से मारपीट में दो दिन बाद भी मुकदमा दर्जन ना होने गुस्साए कर्मचारियो ने काम बंद कर हड़ताल की। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मुकदमा दर्ज होने के बाद चिकित्सक व कर्मचारी काम पर लौटे।

सौ सैया अस्पताल में दो दिन पूर्व चिकित्सक तथा कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई थी। मामले में दो दिन बाद भी मुकदमा दर्ज न होने से कर्मचारी गुस्से में आ गए। उसे लेकर चिकित्सक तथा कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। कर्मचारी काम बंद कर हाल में एकत्रित हो गए। उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था मारपीट के दो दिन बाद भी उनका मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

हड़ताल का पता चलते ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक नवीन जैन वहां पहुंचे उन्होंने गुस्साए चिकित्सक तथा कर्मचारियों को शांत करने का प्रयास किया।

कर्मचारियों का कहना था जब तक मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज नहीं हो जाता तब तक हड़ताल अनवरत जारी रहेगी।

विदित हो प्रसूता काजल के पति मोहित निवासी गुंदाऊ ने चिकित्सक डा कृष्णा कर्मचारियों अंशुल जैन अटल पांडे तथा अजय प्रताप सिंह के साथ मारपीट की थी। उसका आरोप था काजल ने पुत्र को जन्म दिया था। कुछ देर के बाद उसे लड़की दी गई। घटना की थाने में तहरीर दी गई थी।

हड़ताल के बाद पुलिस ने मामले में तेहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया। नगर मजिस्ट्रेट तथा सीओ सिटी ने मोके पर पहुंच कर मामले को शांत कराया।

ज्ञानदीप की महिला खिलाड़ियों ने कबड्डी में ब्राउंज मैडल जीता

विद्यालय निदेशक एवं स्टाफ ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया

शिकोहाबाद। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर स्थित एसएमएस दत्ता पब्लिक मैमोरियल नोजेक स्कूल में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 17 सितंबर तक किया गया। जिसमें प्रदेश के कई स्कूल की टीमों ने भाग लिया। अंडर 14 टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए ब्राउंज मेडल जीत कर जिले के साथ ही नगर और स्कूल का नाम रोशन किया। टीम के वापस आने पर विद्यालय की निदेशक एवं स्टाफ ने टीम के खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया।

विद्यालय के सहायक निदेशक अभय कुमार एवं तनू यादव के साथ विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं अन्य स्टाफ ने विजयी होकर लौटी टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों का मुंह मीठा कराकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। टीम की कोच सरिता कुमारी ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यालय से अंडर 19 और अंडर 14 की टीमों ने प्रतिभाग किया था।

जिसमें विद्यालय की दोनों ही वर्ग की टीम के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रर्दशन किया। इसमें अंडर 14 की टीम के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिद्वंदी कृष्णा पब्लिक स्कूल मेरठ की टीम को हराकर ब्राउंज मेडल जीत कर जनपद के साथ ही नगर और विद्यालय का नाम रोशन किया। टीम में आगरा, फिरोजाबाद,गाजियाबाद,नोएडा ,मेरठ,हरिद्वार,देहरादून की टीमों के साथ ही अन्य प्रदेशों की टीमों ने भी भाग लिया। जिसमें ज्ञानदीप की अंडर 14 की लडकोलियों ने ब्रांउज मेडल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय निदेशक डॉ. रजनी यादव ने सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

रबी मौसम की विभिन्न फसलों की बुवाई हेतु संतुलित उर्वरकों का प्रयोग

मथुरा 20 सितंबर/ जिला कृषि अधिकारी ए.के.सिंह ने किसान भाईयों को सूचित किया है कि किसी भी फसल के अच्छे उत्पादन हेतु नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश का अनुपात 4:2:1 होना चाहिए। प्रदेश में वर्तमान में यह अनुपात 28:9:1 के रूप में आना यह दशार्ता है कि किसान भाई खेतों के लिए बुवाई के समय केवल डी०ए०पी० का ही प्रयोग कर रहे हैं जिससे उनकी फसल को पोटाश की मात्रा नहीं मिल पा रही है जबकि यदि वे एन०पी०के० का प्रयोग करें तो संन्तुलित रूप से तीनों महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की उपलब्धता हो जायेगी।

रबी सीजन की विभिन्न फसलों जैसे- चना, मटर, मसूर, गेहूँ, सरसों तथा आलू की बुवाई के समय फास्फेटिक उर्वरकों की बेसल एप्लीकेशन के रूप में आवश्यकता पडती है। वर्तमान में फास्फेटिक उर्वरकों के कई विकल्प किसान भाईयों के लिए उपलब्ध है। जैसे- डी०ए०पी०, एन०पी० के०, एस०एस०पी०, इसमें से डी०ए०पी० में केवलदो ही तत्व मिलते है नत्रजन एवं फास्फोरस जबकि एन०पी०क० के विभिन्न ग्रेड के काम्पलेक्स फर्टिलाइजर्स में संतुलित रूप में नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटेशियम तीनों अत्यन्त महत्वपूर्ण प्राथमिक पोषक तत्वों की उपलब्धता हो जाती है। आलू जैसे महत्वपूर्ण कामर्शियल काप के लिए संतुलित उर्वरक विशेष रूप से पोटाश की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उत्पादन एवं उसके गुणवत्ता हेतु इसकी आवश्यकता होती है।

इसी प्रकार फास्फोरस के दूसरे महत्वपूर्ण उर्वरक एस०एस०पी० जिसमें 16 प्रतिशत फास्फोरस के साथ-साथ 14 प्रतिशत सल्फर की भी मात्रा पाई जाती है। यह उर्वरक सरसों जैसे तिलहनी फसल के उत्पादन हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण उर्वरक है। तेल के प्रतिशत में बढोंत्तरी हेतु सल्फर की आवश्यकता होती है। दलहनी फसलों के लिए भी एन०पी०के० एवं एस०एस०पी० जैसे उर्वरक डी०ए०पी० की तुलना में सस्ता एवं संतुलित है। जानकरी के अभाव में प्रायः किसान भाई केवल डी०ए०पी० के प्रयोग के लिए परेशान होते है जबकि डी०ए०पी० के प्रयोग से पौधो को संतुलित उर्वरक प्राप्त नहीं होता है।

वर्तमान में किसान भाईयों की रबी की फसलों विशेष रूप से दलहनी, तिलहनी एवं आलू की फसल हेतु डी०ए०पी० उर्वरकों के साथ-साथ एन०पी०के०, एन०पी० के०एस०, एस०एस०पी० की पर्याप्त मात्रा जनपद में उपलब्ध है, आवश्यकता अनुसार फसल के आधार पर उर्वरक सहकारिता एवं निजी केन्द्रों से कय कर सकते हैं।

दरोगा की करतूत से बेल्हा का कांप उठा जर्रा जर्रा, खाकी पर फिर बदनुमा दाग

पीड़िता के साथ छेडछाड को लेकर केस दर्ज, दरोगा भेजा गया जेल

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। ... दरोगा की करतूत से खाकी शर्मसार हुई या नहीं पर बेल्हा का जर्रा जर्रा जरूर सहम उठा है। शिक्षिका के साथ छेडछाड की हद पार करने वाले दरोगा ने प्रतापगढ़ में पुलिस के मिशन शक्ति को तो पलीदा लगा ही दिया। वही यूपी में सत्ता की हनक और खाकी के रूआब पर भी वह बदनुमा दाग छोड़ गया है। हालांकि जिले के कप्तान ने आरोपी दरोगा को निलंबित कर दिया है।

वहीं एसपी के निर्देश पर लालगंज कोतवाली में दरोगा के खिलाफ छेडछाड व धमकी का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी दरोगा को लालगंज सिविल न्यायालय में पेश किया। यहां सिविल जज अरविन्द सिंह ने आरोपी दरोगा को न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। प्रतापगढ़ में लगभग डेढ़ दशक बाद दरोगा फिर जेल के हवाले हुआ है। शुक्रवार को जिन लोगों ने जहां भी खाकी की यह करतूत सुनीं वह दांतो तले उंगली दबा बैठे। वहीं लोगों के जहन में बीते 2010 के करीब प्रतापगढ़ में महिला अपराध को लेकर ही एक दरोगा के जेल के हवाले होने की कहानी फिर ताजा हो उठी।

वहीं एक से डेढ़ दशक पूर्व लालगंज कोतवाली से भी एक आरक्षी भी छात्रा के अपहरण तथा दुष्कर्म में जेल जा चुका था। यही नही लालगंज सर्किल के एक सीओ पर भी आवास में पीड़िता के साथ छेडछाड व धमकी के मामले में तत्कालीन कप्तान जय नारायण सिंह ने सीओ को निलंबित कर केस दर्ज कराया था। तब के पुलिस कप्तान शैलेन्द्र प्रताप सिंह की एक कविता के बोल आज भी लोगों की जुबां पर हैं-दरोगा जेल के हवाले। प्रतापगढ़ में गैर जनपद के स्थानांतरित होकर आये दरोगा रामकेवल को पुलिस कप्तान ने नबाबगंज थाने में तैनाती दी। तैनाती का आदेश मिलने पर दरोगा नबाबगंज थाने के लिए एक आटो से कूच करता है। जिला मुख्यालय के बस अडडे पर रिजर्व आटो लेकर घूम रहे दरोगा की नजर एक संभ्रान्त महिला पर पड़ गयी। दरोगा ने उससे पूछा वह कहां जाना चाहती है। महिला ने जब बताया कि वह लालगंज जायेगी तब दरोगा ने यह कहकर वह भी लालगंज ही जा रहा है।

महिला दरोगा की बदनीयती समझ न पायी और अपनी बेटी के साथ आटो पर बैठ गयी। नशे में टल्ली दरोगा की फितरत शहर पार करते ही परवान चढ़ने लगी। उसने महिला के साथ अश्लील हरकत और छेडछाड शुरू कर दिया।

पीड़िता व उसकी बेटी ने जब विरोध जताया तो दरोगा ने दोनों को चुप न रहने पर जानलेवा धमकी दी। बेबस पीड़िता किसी तरह दरोगा की नागवार ओछी हरकतों की पीड़ा सहते हुए लालगंज पहुंची। दरोगा ने रास्ते मे उसे धमकी भी दी कि मेरी बात मानती रहोगी तो तुम्हें रानी बनाकर रखूंगा वरना लाकप में बंद कर खाल खींच लूंगा।

पीड़िता ने आरोपी के मुंह से जब यह सुना कि वह थानेदार है तो आवाक रह गयी। पीडिता लालगंज चौक पर आटो से उतरकर सीधे कोतवाली पहुंची। कोतवाली में तहरीर देकर सारा वाकिया बयां किया।

दरोगा की करतूत सुनकर महकमा भी कुछ देर के लिए सन्न रह गया। जानकारी जब जिले के कप्तान तक पहुंची तो उनका पारा चढ़ गया। नाराज कप्तान ने तहरीर पर केस दर्ज करने का कड़क आदेश दिया। केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी दरोगा का मेडिकल परीक्षण कराया तो वह नशे में धुत पाया गया। पीड़िता महिला होने के साथ शिक्षिका के रूप में एक पवित्र मिशन में सेवारत है। वह किसी धार्मिक स्थल से दर्शन पूजन कर बेटी के साथ लालगंज आ रही थी।

इस घटना से शिक्षिका को मिली मानसिक प्रताड़ना तहरीर की यह लाइन खुद ब खुद बयां कर देती है-प्रार्थिनी के साथ न्याय करें तथा उसे इस संकट से बाहर निकाला जाय। यदि ऐसा नही हुआ तो प्रार्थिनी समझेगी कि विभाग से सत्य व न्याय खत्म हो गया है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी दरोगा को शुक्रवार को जेल भेज दिया। इधर हर अपराधी की पकड़ के बाद शान से फोटो वायरल करने वाली कोतवाली पुलिस ने शायद खुद को भी विभागीय कर्मी की करतूत से खुद को शर्मसार समझा होगा तभी इस मामले में आरोपी की फोटो वायरल तो दूर खिंचवाना भी मुनासिब नही समझा। यह घटना जिले में महिला सुरक्षा को लेकर खुद खाकी के खौफनाक उजागर हुए चेहरे को लेकर सन्नाटे का माहौल लिये दिख रही है।

वहीं आम आवाम भी भौचक है कि रोज रोज मिशन शक्ति का पाठ पढ़ाने वाली खाकी के ऐसे कारनामे ही हैं जो लाख जतन के बाद भी आम आवाम को वर्दी पर भरोसा नहीं करने को मजबूर किये हुए है। एसपी ने आरोपी दरोगा रामकेवल को निलंबन का भी फरमान सुनाया है।

वही अभी भी पीड़िता दरोगा के भयावह करतूत और धमकी को लेकर खुद तथा बेटी की आबरू को लेकर चिन्तित बतायी जा रही है।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत, मासूम समेत तीन घायल

आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम, सीओ के समझाने परु हुए शान्त

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। बाइक की चपेट में आने से दो परिवार के चार लोग घायल हो गये। गंभीर रूप से घायल एक युवक की अस्पताल पहुंचने चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। उधर युवक की मौत को लेकर शुक्रवार की सुबह आक्रोशित लोगों ने जाम लगा दिया। सीओ के समझाने पर लोग किसी तरह माने। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पूरे नरायनदास शितली का पुरवा गांव निवासी रामदेव वर्मा का पुत्र सोनू 18 अपनी बहन सीता 23 तथा गांव की सोना देवी 23 पत्नी शिवकुमार वर्मा के साथ रात करीब साढ़े नौ बजे दरवाजे से गुजरी सड़क किनारे बैठकर आपस में बातें कर रहा था। सोना देवी गोद में अपनी दो वषीर्या मासूम पुत्री रेनू को भी लिये थी। इसी बीच अचानक तेज गति से पहुंची बाइक ने तीनों को जोरदार टक्कर मार दिया। चीखपुकार सुनकर परिवार व गांव के लोग दौड़े और आननफानन में घायलों को लेकर सांगीपुर सीएचसी पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल सोनू को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया।

इधर अन्य तीनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालत में सुधार न होने पर तीनों को मेडिकल कालेज प्रयागराज में भर्ती कराया गया है। इधर युवक की मौत के बाद परिवार के लोग शव लेकर घर चले आये। अगले दिन शुक्रवार सुबह बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा व उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने सांगीपुर किठावर मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। सीओ रामसूरत सोनकर के समझाने पर लोग किसी तरह माने और डेढ़ घंटे बाद पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। एसओ मनीष तिवारी का कहना है कि मृतक के पिता रामदेव की तहरीर पर बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोपाल धाम में सप्त दिवसीय भागवत कथा का शुभारंभ

हाथरस। श्री हरि सत्संग भवन कमेठी द्वारा गोपाल धाम में सप्त दिवसीय भागवत कथा का शुभारंभ हो गया है। भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व शहर के प्रमुख बाजारों में से होकर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा पर जगह जगह पुष्प वर्षा की गई तथा भागवत आचार्य प0 सुरेंद्र नाथ चतुर्वेदी का भी जगह-जगह स्वागत किया गया। कलश यात्रा गोपाल धाम से निकलकर शहर के प्रमुख बाजारों से होते हुए भागवत कथा स्थल गोपाल धाम पर सम्पूर्ण हुई। कलश यात्रा में काफी महिलाएं और युवतियां अपने सिर पर कलश लेकर चल रहीं थीं। कलश यात्रा में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। भागवत कथा 26 सितम्बर तक चलेगी कथा कलश यात्रा और भागवत को लेकर धर्मावलियों में काफी उत्साह देखने को मिला। भागवताचार्य प0 सुरेंद्र नाथ चतुर्वेदी जी ने कथा प्रारम्भ कर भागवत कथा के महत्व से लोगों को रूबरू कराया साथ ही विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्ति से ओत-प्रोत नजर आया। आयोजक समिति के सदस्य दिलीप अग्रवाल ने बताया 27 सितंबर को भंडारे के साथ इस धार्मिक आयोजन का समापन होगा।

कालेज की लड़कियों से छेड़खानी करने वाले आधा दर्जन लोगो को किया गिरफ्तार

हाथरस। थाना चदपा प्रभारी विपिन चौधरी ने अपने थाना क्षेत्र के एक गांव के डिग्री कॉलेज के बाहर कॉलेज में पढ़ने वाली लड़कियों से छेड़खानी के आरोप में करीब आधा दर्जन युवकों को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली चदपा प्रभारी विपिन चौधरी ने सूचना मिलने पर थाना क्षेत्र के गांव कोटा मैं स्थित एक कॉलेज पर बीते काफी समय से युवक कॉलेज में पढ़ने वाली लड़कियों को कुछ पास के लड़के छेड़खानी करते है जिसकी शिकायत पूर्व में कॉलेज के प्रधानाचार्य ने थाना प्रभारी विपिन चौधरी से की थी। शिकायत पर कार्यवाही करते हुए चदपा प्रभारी विपिन चौधरी ने अपने पुलिस बल व एंटी रोमियो टीम को साथ लेकर आधा दर्जन लोगो को गिरफ्तार किया। जिन्हे थाना चदपा लाया गया। सभी लोगो के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

एंटी रोमियो में गजेन्द्र पुत्र रामप्रकाश ग्राम बघना, सन्नी पुत्र कालीचरन गांव खेड़ा परसोली, सुमित पुत्र विजेंद्र सिंह गांव खेड़ा परसोली, विकाश पुत्र ओमप्रकाश गांव बघना, भावेश पुत्र रोहित गांव मागरू थाना सादाबाद , अरविंद पुत्र रमेश चंद्र गांव महमूदपुर ब्राह्मण को गिरफ्तार किया ।

डीएम की परीक्षा में अधिकांश लेखपाल और राजस्व निरीक्षक फेल

आईजीआरएस के संबंध में जिलाधिकारी के द्वारा पूछे गए अधिकांश प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके राजस्व निरीक्षक और लेखपाल

हम सब लोक सेवक हैं लोगों की समस्याओं का समाधान करना हमारा दायित्व है : जिलाधिकारी

मंडलीय राजस्व प्रशिक्षण केंद्र ग्राम मंदावली टूंडला में आयोजित राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित कार्यशाला में जिलाधिकारी रमेश रंजन ने अपर जिलाधिकारी विशु राजा, उप जिलाधिकारी गजेंद्र पाल सिंह, उप जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में इस कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला मुख्यतः आईजीआरएस के मामलों के गुणवत्तापरक निस्तारण कैसे हो, इसको लेकर आयोजित की गई थी। इस अवसर पर आईजीआरएस के संबंध में, उप जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, उप जिला अधिकारी न्यायिक अनुराधा सिंह, अपर जिलाधिकारी विशु राजा ने अपने विचार व्यक्त किए। इन सब का कहना था कि आईजीआरएस का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हो, दोनों पक्ष निस्तारण से संतुष्ट हो, मौके पर जाकर ही निस्तारण करें। इस अवसर पर आईजीआरएस के संबंध में जिलाधिकारी ने वहां उपस्थित लेखपाल और राजस्व निरीक्षक से संवाद किया या यू कहें कि आईजीआरएस के संबंध में उनकी जानकारी को परखा जिसमें अधिकांश राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल जिलाधिकारी के प्रश्नों का समुचित उत्तर नहीं दे पाए।

जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम कृष्णकांत कठेरिया राजस्व निरीक्षक से आईजीआरएस के अंतर्गत आने वाली शब्दावली स्पेशल क्लोज के संबंध में जानकारी चाहीं पर वह अपनी जानकारी से जिलाधिकारी को संतुष्ट नहीं कर सके। इसी तरह जिलाधिकारी ने राजेंद्र सिंह राजस्व निरीक्षक, लक्ष्मी यादव लेखपाल, रामनिवास सिंह राजस्व निरीक्षक, सैयद मेहंदी कानूनगो, मोहित नंदन लेखपाल, शिवांश मोहन लेखपाल, योगेंद्र उपाध्याय राजस्व निरीक्षक, श्वेता सिंह लेखपाल इत्यादि से भी इन्होंने आईजीआरएस के संबंध में प्रश्न पूछे परंतु कोई भी संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हो सका, केवल आशीष कुमार लेखपाल जो सिरसागंज में नियुक्त है, जिलाधिकारी के प्रश्नों का उत्तर दे सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस के संबंध में संपूर्ण जानकारी आप सभी को होनी चाहिए, क्योंकि शासन की प्राथमिकता है आईजीआरएस में आए हुए मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो, सिर्फ पैमाइश का नहीं है, बल्कि आपके कार्यों का दायरा विविध है, जिन्हें अन्य विभागों के सामन्जस्य से करना है, हर ग्राम सभा में पंचायत भवन बने है, वहां आप बैठे और लोगो की समस्याओं को सुने। अगर इसमे किसी प्रकार की लापरवाही होगी तो आप पर कार्यवाही की जाएगी।

थाना दिवस और तहसील दिवस का प्रयोग आप समस्याओं को निस्तारण में करें समस्याओं को समझने का प्रयास करें, मौके पर जाकर समस्याओं को निस्तारण करें और अपने द्वारा कराए गए कार्यों का फोटोग्राफ्स अवश्य भेजें। समस्याओं को अग्रसारित करना बंद करें, उनका तुरंत समाधान करें, आपसी संबंध और ससमय से कार्यों को कराये।

अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि आप और हम लोक सेवक हैं। लोगों की समस्याओं का समाधान करना हमारा दायित्व है। हम अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और निष्ठा के साथ करें, तभी लोकतंत्र का लोक कल्याणकारी रूप निकलकर सामने आ सकता है।

एके व नारायण कॉलेज में मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा

शिकोहाबाद। आदर्श कृष्ण महाविद्यालय में भारत सरकार गृह मंत्रालय के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा 17 सितंबर से दो अक्तूबर तक स्वच्छता ही सेवा है थीम पर मनाया जा रहा है। एनएनएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ.संजीव कुमार व विमल कुमार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य प्रोफेसर दीदार सिंह यादव ने स्वच्छता के बारे में बताया। इस अवसर पर वालंटियर्स को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इसके बाद एनएसएस के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता एवं सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर डॉ.अनिल गुप्ता,डॉ.रूम सिंह,डॉ.रूपेश कुमार,डॉ.नरेंद्र गंगवार,डॉ. नरेंद्र सिंह धाकड़,हरेंद्र,दिलीप और उमेश आदि उपस्थित रहे।

वहीं नारायण डिग्री कॉलेज में भी स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो.वीके. सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों,छात्र-छात्राओं,शिक्षकों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर किया। सभी ने अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रण लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय में स्लोगन लेखन की प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्वयं सेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों वीरेंद्र प्रताप वर्मा,प्रियंका देवी राजपूत, डॉ.शुभी पटेल के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व अधिकारी डॉक्टर संतोष कुमार सिंह एवं डॉ मनीष कुमार योगी, औटा उपाध्यक्ष डॉ कुलदीप सिंह,डॉ इंद्रदेव,डॉ प्रदीप कुमार,डॉ दिनेश कुमार व डॉ अरविंद उपस्थित रहे।

शिविर में 120 रक्तदानी बने महादानी

शिकोहावाद । नगर के गढ़ैया मोहल्ला स्थित पंचायती अग्रवाल धर्मशाला में मानवीय सेवा को समर्पित कल्पतरू ट्रस्ट द्वारा 32 वाँ रक्तदान शिविर का आयोजन किया।जिसमें 120 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर महादानी बनने का गौरव प्राप्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल किशोर अग्रवाल ने की। शिविर का शुभारम्भ नगर पालिका अध्यक्षा रानी गुप्ता व अन्य अतिथियों ने माँ शारदे के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन व फीता काट कर किया ।

कल्पतरू ट्रस्ट द्वारा वर्ष में दो वार रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। सेवा संस्थान ब्लड बैंक फिरोजाबाद के द्वारा ब्लड एकत्रित किया गया । इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक कृष्ण कुमार खण्डेलवाल ने कहा कि रक्तदान जीवन का सबसे वड़ा दान है। रक्तदान की एक यूनिट तीन लोगों की जान बचा सकती है। हमारी संस्था को किसी ने एक यूनिट दिया है, तो संस्था ने उसको जरूरत पडने पर कई यूनिट रक्त उपलब्ध कराया है। में सभी जनता जनार्दन से अपील करता हूँ ऐसे अवसरों पर रक्तदान जरूर करना चाहिये। रक्तदान करने से कई रोगों से निजात मिलती है । चेयरमेन रानी गुप्ता ने कल्पतरू ट्रस्ट के कार्यो की सराहना करते हुये कहा कि ऐसे आयोजन नगर मे होते रहने चाहिये। कार्यक्रम समाप्ति पर अध्यक्ष ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का अभार व्यक्त किया । इस अवसर पर तरुण अग्रवाल,आशीष तोमर,विष्णु अग्रवाल, शैलेन्द्र अग्रवाल,गगन कपूर,हेमन्त सोनी,प्रशान्त राजपूता,ओमशंकर चौहान,अतुल अग्रवाल, अर्पित अग्रवाल,राजकिशोर,अमन मित्तला,विकास,नवीन चन्देल,पवन अग्रवाल,गगन तोमर, चिराग,महिला मण्डल से सोनिका अग्रवाल,पल्लवी अग्रवाल,हेमा वंसल,सारिका, उमा आदि मौजूद रहीं।

जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने लगाई एसडीएम से गुहार

जसराना। गांव में भरे बरसात के पानी को निकालने के लिए सड़क काट रहे ग्रामीणों को नायब तहसीलदार एवं थाना प्रभारी द्वारा रोके जाने पर ग्रामीण तहसील जसराना पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने तहसील में प्रदर्शन करते हुए एसडीएम को प्रार्थना पत्र दिया। एसडीएम ने बीडीओ एवं प्रधान को जलनिकासी के उचित साधन करने का निर्देश दिया। गांव में पानी भरा होने के कारण ग्रामीणों को मकान गिरने का अंदेशा सता रहा है।

दो दिन पूर्व हुई बरसात के चलते थाना जसराना के गांव नगला गंगे में पानी भर गया है। गांव में पानी भरा होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। गांव में जलभराव होने पर ग्रामीणों को गांव में बीमारी फैलने के साथ ही मकानों के गिरने का अंदेशा है।

बृहस्पतिवार की सायं ग्रामीण पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य पवन यादव के साथ जसराना-घिरोर मार्ग से नगला नथुआ तक जाने वाले रास्ते पर पहुंचे और सड़क को काटकर पानी निकालने का प्रयास किया। नगला नथुआ के लोगों ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया तो नायब तहसीलदार नितिन चौधरी एवं थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को रोक दिया।

अधिकारियों ने कहा पहले एसडीएम से आदेश कराओ फिर पानी निकालने का साधन करो। पानी निकालने से रोकने पर गुस्साए ग्रामीण एकत्रित होकर तहसील जसराना पहुंचे। जहां उन्होंने प्रदर्शन किया।

वहीं एसडीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए जलनिकासी के साधन करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया जसराना-घिरोर रोड से नगला नथुआ के लिए जाने वाले मार्ग पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा साइड में नाले तो बनाए थे, लेकिन उचित स्थानों पर पोल न डाले जाने के कारण गांव का पानी सड़क पर भर रहा है। जिससे गांव वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने कहा कई बार अधिकारियों से इस समस्या के समाधान की गुहार लगाई है। एसडीएम शिवध्यान पांडेय ने समस्या के समाधान के लिए बीडीओ एवं ग्राम प्रधान को निर्देशित किया है।

इस दौरान पवन यादव, प्रदीपकुमार, शिवम ,गुलशन कुमार, दिनेश. पंकज,मुकेश, अनिल कुमार, अरविंद, मोनूयादव, कुलदीप, पंकज, वीरपाल, मुकेश, सुघर सिंह, रिंकू, मान सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

स्वच्छ भारत तथा संस्कार सेवा भावना के अंतर्गत रैली एवं व्याख्यान का आयोजन

फिरोजाबाद महात्मा गांधी बालिका विद्यालय पी जी कॉलेज फिरोजाबाद, दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय और सी एल जैन कॉलेज फिरोजाबाद के संयुक्त तत्वाधान में *स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम* के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का शीर्षक -" *स्वच्छता ही सेवा: स्वभाव सेवा संस्कार सेवा" रहा।कार्यक्रम में नगर महापौर श्रीमती कामिनी राठौर ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में फिरोजाबाद के डिप्टी मेयर चौधरी श्याम सिंह यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महात्मा गांधी बालिका विद्यालय पी जी कॉलेज की वरिष्ठ प्रवक्ता डा रीता दीक्षित द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रिया सिंह, डा शालिनी मिश्रा और डा पूजा त्यागी द्वारा किया गया। दाऊ दयाल से डा नम्रता निश्चल और सी एल जैन से डॉ शिवानी गोयल कार्यक्रम में उपस्थित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके किया गया। एम जी कॉलेज से मुख्य अतिथि के स्वागत में स्वयंसेवक अंजलि और कोमल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इसके बाद स्वयंसेवक अनुराधा और अमृता ने लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने गांधी जी के विचारों के बारे में कहा कि उनका जो स्वच्छता को लेकर स्वप्न था वह हम सभी को पूरा करना है। फिरोजाबाद जो स्वच्छता के क्षेत्र में दो बार सम्मानित हो चुका है उसे स्वच्छता के क्षेत्र में हमें और आगे बढ़ाना है। छात्रा खुशबू जैन ने स्वच्छता जागरूकता विषय पर भाषण प्रस्तुत किया।व्याख्यान के बाद संयुक्त रूप से फिरोजाबाद बस स्टैंड तक रैली निकाली गई । जिसे मुख्य अतिथि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दाऊ दयाल के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता की आवश्यकता विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर आम जनता को जागरूक करने का प्रयास किया।जिसमे नगर महापौर श्रीमती कामिनी राठौर ने बच्चो के नुक्कड़ नाटक में उपस्थित हो उनका उत्साहवर्धन किया ।दाऊ दयाल से स्वयंसेवक राधिका, आभा, वर्षा,सुमन, मुस्कान, तनु , अंजली, गुनगुन, रोशनी, प्रिया ने बस स्टैंड में नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण किया। स्वयंसेवकों ने बस अड्डे में सफाई अभियान की मुहिम चलाते हुए प्लास्टिक संग्रहित करने का कार्य भी किया। स्वयंसेविका भूमिका, अंजली, तमन्ना, वर्षा, कोमल, अनुराधा , अमृता ,भूमि, शिवानी आदि ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।कर्मचारी मोहन और धीरज मिश्र ने विशेष योगदान दिया।

पुलिस ने चोरी की बाइक सहित एक अभियुक्त गिरफ्तार किया

*फिरोजाबाद। थाना सिरसागंज पुलिस ने चैकिंग के दौरान शातिर अभियुक्त को पकडा है। उसके पास से चोरी की मोटर साइकिल व नगदी बरामद की है। उसे जेल भेजा गया।

एसओ वैभव कुमार सिंह थाना सिरसागंज ने चैकिंग के दौरान पुलिस बल के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उसे वटेश्वर रोड मरघटी के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस ने उसका नाम करन उर्फ पुच्चा पुत्र लालू गिहार बताया है। वह गिहार कालोनी थाना सिरसागंज का रहने वाला है।

पुलिस ने उसके पास से चोरी की बाइक व

4000 रुपए बरामद किए है। पुलिस ने कार्यवाही कर उसे जेल भेजा है। थाना अध्यक्ष ने बताया पकड़ा गया अभियुक्त शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ जनपद तथा गैर जनपदों के विभिन्न थानों में डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है। उन्होंने बताया मोटरसाइकिल उसने शिकोहाबाद क्षेत्र से चोरी की।

पुलिस ने उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर से जेल भेजा है।

राजस्व टीम ने गांव में प्रभावित मकानों का किया सर्वे

टीम ने पूरे गांव में भ्रमण कर सात घरों को पूर्ण और 100 घरों को आंशिक माना

टीम ने रिपोर्ट बना कर डीएम को भेजी, डीएम से रिपोर्ट शासन को भेजी जायेगी

शिकोहाबाद। पटाखों में हुए विस्फोट के बाद प्रशासन गांव में क्षतिपूर्ति का आंकलन करने में लगा हुआ है। जहां बृहस्पतिवार को पीडब्लूडी की टीम ने जाकर सर्वे किया था। वहीं शुक्रवार को राजस्व विभाग की टीम ने गांव का सर्वे किया और सात घरों को पूर्ण ध्वस्त और 100 घरों को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त माना है। राजस्व विभाग ने अपनी टीम बना कर जिलाधिकारी को भेज दी है।

शुक्रवार को राजस्व विभाग की टीम नायब तहसीलदार ब्रजराज सिंह के नेतृत्व में नौशेहरा में सुबह चार बजे पहुंच गई। टीम ने पूरे गांव का भ्रमण किया। इसके साथ ही विस्फोट हुए मकान के आसपास के मकानों के साथ ही विस्फोट से जिन मकानों को क्षति पहुंची है, उन मकान स्वामियों का नाम लिखा। टीम ने गांव के सात मकान एसे पाए, जो पूर्ण रूप से ध्वस्त हो चुके हैं। वहीं आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की संख्या में बड़ा उछाल आया है। जहां वृहस्पतिवार को टीम ने 25 मकान बताए थे, लेकिन शुक्रवार को राजस्व विभाग की टीम ने इनकी संख्या सौ तक पहुंचा दी है। राजस्व निरीक्षक बिजेंद्र सिहं और लल्लू सिंह सहित छह लेखपाल ने पूरे गांव का भ्रमण कर एक-एक घर देख कर अपनी रिपोर्ट बनाई है। नायब तहसीलदार ने बताया कि उन्होंने अपनी रिपोर्ट बना कर डीएम को भेज दी है। जिलाधिकारी द्वारा इस रिपोर्ट को शासन को भेजा जायेगा। जिसके बाद शासन क्षतिपूर्ति का आंकलन करके प्रभावित लोगों को धनराशि उनके खातों में भेजेगा।

मंदिर में रखी शिवलिंग युवक उठाकर घर ले गया

शिकोहाबाद। थाना क्षेत्र के गांव कटौरी में शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे शिव मंदिर में रखी शिवलिंग को गांव का ही एक युवक उठा कर अपने घर ले गया। घ पर जाकर उसने शिविलिंग पर दूध चढ़ाया। जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को हुई, तो उनमें आक्रोश फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिवलिंग को मंदिर में स्थापित कराया।

कटौरी गांव में शुक्रवार को एक युवक मंदिर में रखी शिव लिंग को उठाकर अपने घर ले गया। जब ग्रामीण पूजा अर्चना के लिए मंदिर में पहुंचे तो शिवलिंग को ना पाकर हैरान रह गये। ग्रामीणों में शिवलिंग के गायब होने की जानकारी होते ही भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। इसी दौरान जिस ग्रामीण ने युवक को शिवलिंग ले जाते हुए देखा, उसके बारे में जानकारी दी। सूचना पर थाना पुलिस गांव पहुंची और उक्त युवक के घर जाकर उससे शिवलिंग को मंदिर में स्थापित करने के लिए कहा। इसके बाद युवक के परिजनों ने शिवलिंग को ले जाकर मंदिर में स्थापित कर दिया। इसके बाद ही लोगों का आक्रोश शांत हुआ। पुलिस आरोपित को पकड़ कर थाने ले आई।

इस संबंध में थाना पुलिस का कहना है कि युवक नशेड़ी है। उसने शराब के नशे में मंदिर में रखी दो फीट की शिवलिंग को उठा कर अपने घर रख लिया था। जिसे मंदिर में स्थापित करा दिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत

फिरोजाबाद थाना मठसेना क्षेत्र के अंतर्गत कनेटा के समीप शुक्रवार की दोपहर अज्ञात बहन की टक्कर से बाइक सवार युवक मौत हो गई शव को विच्छेदन गृह में रखवा दिया है

थाना नसीरपुर क्षेत्र के गांव बाकलपुर निवासी 18 वर्षीय शिवम पुत्र वीर सिंह शुक्रवार की दोपहर स्कूटी पर सवार होकर फिरोजाबाद आ रहा था वह थाना मठसेना क्षेत्र के गांव कनेटा के समीप पहुंचा ही था तभी उसकी स्कूटी में किसी बहाने टक्कर मार दी जिसके फल स्वरुप स्कूटी असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया उधर से गुजर रहे एक समाजसेवी वहां से गुजर रहे थे वह उसे ऑटो द्वारा सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आये जहां चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया इधर सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी सरकारी ट्रामा सेंटर आ गए जिनमे कोहराम मच गया स्वास्थ्य कर्मियों ने शव को विच्छेदन गृह में रखवाने के बाद सूचना पुलिस को भेजी है

पटाखा गोदाम में आग लगा कर भागे आरोपितों की तलाश में पुलिस की दविश जारी

शिकोहाबाद। नौशहरा गांव में पटाखों के गोदाम में हुए विस्फोट के मास्टर माइंड को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। लेकिन उसके दो बेटा अभी भी फरार चल रहे हैं। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए थाना पुलिस एवं एसओजी, क्राइमब्रांच और सर्विलांस की टीमें लगी हुई हैं। जनपद के अलावा अन्य जनपदों, प्रदेश के अतिरिक्त गैर प्रांतों में भी पुलिस उनको पकड़ने के लिए दबिशें दे रही है।

प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में मुख्य आरोपित भूरे उर्फ नवी अबदुल्ला के पकड़े जाने के बाद अब उसके आरोपित पुत्रों को गिरफ्तार करने के लिए जनपद के अलावा गैर जनपदों, प्रदेश के अलावा अन्य प्रदेशों में संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है। आरोपितों के स्वजनों के अलावा रिश्तेदारों को हिरासत में लेकर उनकी लोकेशन के बारे में जानकारी कर रही है।

उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में कई टीमें आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिशें दे रही हैं। जिसमें राजस्थान, महाराष्ट्र, मुबई और अन्य प्रांतों में भी दबिश दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जायेगा। वहीं पकड़े गये आरोपित भूरे से पुलिस पूछताछ कर अन्य राज उगलवाने में लगी हुई है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रशान्त वशिष्ठ के लिये पुष्प प्रिंटर्स, बौधाश्रम फिरोजाबाद से छपकर कार्यालय दैनिक सच क्या है बौधाश्रम फिरोजाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक- छीतरिया शर्मा
फोन नं. 05612297399.
9411927251,
9259041013,
9997830502
E-mail fzd@suchkyahai.com
suchkyahai@gmail.com
suchkyahai87@gmail.com